जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 286 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 20 अगस्त, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते थे पर एआईसीसी की सदस्यता के लिए छटपटा रहे हैं

स्व. राजीव गांधी की जयंती की आड़ में सोनिया गांधी की नज़रों में आने की कोशिश में जुटे हैं गहलोत

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज दोपहर दिल्ली पहुँचे। वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती को बहाना बनाकर गांधी परिवार से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, जहाँ वे 25 सितंबर 2023 से ''पर्सोना नॉन ग्राटा'' (महत्वहीन एवं नगण्य मात्र) बन कर रह गए हैं, जब उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत का नेतृत्व किया था।

अशोक गहलोत सुबह राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसके बाद वे राजीव गांधी स्टडी सर्कल का कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसमें उन्होंने कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया है।

राजीव गांधी फ़ाउंडेशन के ट्रस्टी और कार्यकारी समिति के सदस्य पी. चिदंबरम आमंत्रितों में शामिल हैं। उनके साथ जयराम रमेश, मुकुल वासनिक और अन्य एआईसीसी पदाधिकारी भी आमंत्रित हैं।

सूत्रों का कहना है कि फ़ाउंडेशन की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को भी निमंत्रण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- स्व. राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों के सिलसिले में अशोक गहलोत दिल्ली पहुंच गए हैं जहां वे 20 अगस्त को सुबह राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेगें।
- वे खुद भी अपनी संस्था, राजीव गांधी स्टडी सर्किल, के जरिए एक कार्यक्रम कर रहे हैं जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी को आमंत्रित किया है। कार्यक्रम में उन्होंने दिल्ली में बैठे अपने सभी हितैषियों, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, पी. चिदम्बरम आदि को भी आमंत्रित किया है।
- सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी गहलोत के कार्यक्रम में संभवतया नहीं जाएंगी, क्योंकि गांधी परिवार ने गहलोत को 25 सितम्बर 2023 की उस घटना के लिए माफ नहीं किया है जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए उन्होंने बगावत कर दी थी और बरसों का विश्वास एक पल में खो दिया था।
- गांधी परिवार में ''अवांछित'' और ''महत्वहीन'' बन चुके गहलोत बार-बार प्रयास कर रहे हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार से गांधी परिवार में जगह मिल जाए।
- विडम्बना है कि गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते थे पर लालच में उठाए गए एक कदम ने उन्हें कहीं का भी नहीं रखा, उन्हें अब एआईसीसी की सदस्यता मात्र पाने के लिए हाथ पैर मारने पड़ रहे हैं।

चीन के विदेश मंत्री ने प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के साथ सीमा पर शांति और सौहार्द बनाये रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि भारत इस मुद्दे के पर परस्पर स्वीकार्य समधान के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने भारत की यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ यहां मंगलवार को बातचीत में यह बात कही। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि मोदी ने वांग से कहा कि सीमा प्रश्न के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए भारत प्रतिबद्ध है।

- चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्र.मंत्री मोदी को शंघाई कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में आने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निमंत्रण दिया। मोदी ने निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया।

चीन के विदेश मंत्री ने अपनी भारत यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें चीन में इस महीने के अंत में होने वाले शंघाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से निमंत्रण दिया। मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन के निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद दिया और उसे स्वीकार किया। उन्होंने चीन की अध्यक्षता में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प-जैलेंस्की मीटिंग से उत्साह तो जगा पर भरोसा नहीं बना

जैलेंस्की ने ट्रम्प को धन्यवाद दिया और ट्रम्प भी जैलेंस्की से काफी खुश दिखे

-अंजन रॉय-
- राष्ट्रीय ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सोमवार को वाइट हाउस में हुई उत्साहभरी बैठक के बाद अब यूक्रेन संकट के समाधान पर गंभीर विचार सामने आने लगे हैं।

सोमवार की एकतरफ़ा बातचीत, यानी पश्चिमी देशों की आपसी बातचीत जिसमें रूस शामिल नहीं था, ने शांति समाधान की ओर कई कदम बढ़ाए। डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की से ओवल ऑफिस में दोस्ताना मुलाक़ात की, जहाँ पिछली बार उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार हुआ था।

ट्रंप ज़ेलेन्स्की से खुश दिखे और ज़ेलेन्स्की ने भी अस्थिर स्वभाव वाले ट्रंप का भरपूर धन्यवाद किया जिससे माहौल बना। ट्रंप को बातचीत में नोबेल पुरस्कार की संभावना भी नज़र आने लगी।

इसके बाद ''कोअलिशन ऑफ द विलिंग'' (यूक्रेन का समर्थन करने वाले पश्चिमी देशों को यह नाम दिया गया है) की बैठक ने रुसी खतरे का सामना करने में पश्चिमी यूरोप की एकजुटता को और मज़बूत कर दिया। ऐसा दृश्य दूसरे ट्रंप प्रशासन की शुरुआत के बाद पहली बार देखा गया।

यह पश्चिमी देशों के लिए एक ठोस रणनीतिक जीत थी, क्योंकि पुतिन का मुख्य उद्देश्य पश्चिमी गठबंधन को तोड़ना था, जो नाकाम हो गया। सम्पूर्ण पश्चिमी गुट को किसी मुद्दे पर एक साथ खड़ा देखना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शायद पहली बार हुआ।

तीसरे, डॉनल्ड ट्रंप ने वादा किया कि अगला कदम, रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय बैठक होगी, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद रहेंगे और सक्रिय भागीदारी करेंगे। ट्रंप इस बात पर अड़े थे कि अंतिम शांति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जबकि पिछली बार इसी ओवल ऑफिस में हुई एक मीटिंग में ट्रम्प ने जैलेंस्की को बहुत ज्यादा अपमानित किया था।
- ट्रम्प-जैलेंस्की मीटिंग के बाद ''कोअलिशन ऑफ द विलिंग'' (यूक्रेन समर्थक पश्चिमी देश) की बैठक हुई, इस बैठक का महत्व इतना जरूर रहा कि रूस के मुकाबले पश्चिमी यूरोप एकजुट हो गया, जो हाल ही में बिखरा हुआ सा लग रहा था।
- मीटिंग में ट्रम्प ने त्रिपक्षीय मीटिंग का प्रस्ताव रखा जिसमें रूस व अमेरिका के साथ यूक्रेन भी शामिल हो, पर पुतिन संभवतया इस प्रस्ताव को नहीं मानेगें क्योंकि वे जैलेंस्की को यूक्रेन का वैध राष्ट्रपति ही नहीं मानते हैं।
- यही नहीं, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी की बात भी शायद रूस स्वीकार ना करे क्योंकि वह नहीं चाहता कि यूक्रेन को ऐसी कोई सुरक्षा गारंटी मिले जो नाटो की सदस्यता से मिल सकती है।

टीम इंडिया में शुभमन गिल की शानदार वापसी

एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं शुभमन गिल

मुंबई, 19 अगस्त। एशिया कप 2025 के लिए भारत के 15 सदस्यीय दल में शुभमन गिल को न केवल मौका दिया गया है बल्कि उन्हें टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। मुंबई के बीसीसीआई हेडक्वार्टर में चयन समिति की बैठक के बाद एशिया कप के लिए मंगलवार को टीम का ऐलान कर दिया गया। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया गया है लेकिन गिल को उपकप्तान बनाए जाने के बाद, इस बात की उम्मीद की जा सकती है, वह पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गिल की वापसी के संदर्भ में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने (शुभमन गिल) टीम की अगुवाई की थी। जब हम श्रीलंका गए तब वह उपकप्तान थे। इसके बाद हम टेस्ट क्रिकेट में व्यस्त हो गए लेकिन उनकी वापसी हमारे लिए अच्छी है। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद यह बड़ी सीरीज है और यह खुद को जांचने का अच्छा मौका है।

जितेश शर्मा को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने आरसीबी के लिए हालिया आईपीएल में काफी कमाल की बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में हर्षित राणा को मौका दिया गया है।

अगर मध्य और निचले क्रम में बल्लेबाजी के विकल्प के बारे में बात की जाए तो टीम में कैप्टन सूर्यकुमार, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा हैं। अगर भारत गिल और अभिषेक से पारी की शुरुआत करता है तो जितेश को पहली पसंद विकेटकीपर के तौर पर उतारा जा सकता है। टीम में तीन ऑलराउंडर हैं, जिसमें अक्षर पटेल,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- टीम इंडिया दस सितम्बर को दुबई में यू.ए.ई. के खिलाफ मैच खेलकर अपना अभियान शुरू करेगी।
- टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुभमन गिल की वापसी को टीम के लिए फायदे मंद बताया।
- तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी मौका दिया गया है।

मोदी ने राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों से उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन का समर्थन करने की अपील की है।

मोदी ने यहां संसद भवन के सभागार में राजग सांसदों की बैठक में सभी सांसदों, विशेष रूप से विपक्षी दलों से राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की ताकि उन्हें सर्वसम्मति से

- राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुनाव में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रत्याशी हैं।

उपराष्ट्रपति चुना जाये।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, मंगलवार सुबह दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में भाग लिया। उपराष्ट्रपति पद के लिए सी पी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के पक्ष में उत्साह देखकर प्रसन्नता हुई।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में उपराष्ट्रपति चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या उपराष्ट्रपति का चुनाव राजनैतिक समीकरणों में उलटफेर कर पाएगा?

सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने इसी रणनीति के आधार पर प्रत्याशी घोषित किए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सत्तारूढ़ एनडीए (नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस) को मुश्किल में डालने की एक चतुर चाल के तहत, इंडिया गठबंधन ने आज सुप्रीम कोर्ट पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का उम्मीदवार घोषित किया, जिससे यह मुकाबला आरएसएस बनाम गैर-आरएसएस में तब्दील हो गया है।

9 सितंबर को होने वाला यह चुनाव न्यायमूर्ति रेड्डी, जो एक पेशेवर न्यायविद हैं तथा सी.पी. राधाकृष्णन जो आरएसएस से जुड़े रहे हैं, के बीच जनमानस में एक प्रतीकात्मक टकराव के रूप में देखा जाएगा।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश होने के अलावा, रेड्डी गोवा के पहले लोकायुक्त भी रहे हैं।

खड़गे ने कहा, इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियों ने एक साझा उम्मीदवार पर सहमति जताई है, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। मैं खुश हूं कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर सहमत हुए हैं। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

भाजपा ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल और तमिलनाडु के पूर्व वरिष्ठ नेता सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए का उम्मीदवार घोषित किया था। यह कदम अगले साल तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया गया माना जा रहा है।

विपक्षी दलों ने सोमवार को ही उपराष्ट्रपति पद के लिए एक ऐसे उम्मीदवार पर विचार शुरू कर दिया था जो न केवल विपक्ष के भीतर बल्कि गैर-सम्बद्ध दलों में भी स्वीकार्य हो।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राधाकृष्णन के समर्थन में चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं।

राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से संपर्क किया था, ताकि न केवल एनडीए की संख्या को मजबूत किया जा सके, बल्कि तमिल कार्ड खेल कर विपक्षी खेमे में भी फूट डाली जा सके। लेकिन संकेतों से लगता है कि स्टालिन ने राधाकृष्णन को समर्थन देने का कोई वादा नहीं किया।

इंडिया गठबंधन ने उम्मीदवार को लेकर दो दौर की बातचीत की थी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने आंध्र प्रदेश में जन्मे सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को प्रत्याशी घोषित किया है, इसका लक्ष्य आंध्र के मुख्यमंत्री चन्द्र बाबू नायडू हैं। हालांकि तेलुगुदेशम ने एनडीए के प्रत्याशी राधाकृष्णनन के प्रति पूर्ण समर्थन जताया है पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।
- एनडीए अपने प्रत्याशी एस राधाकृष्णन, जो मूलतः संघ से जुड़े रहे हैं, के नाम पर तमिल कार्ड खेल रहा है। राधाकृष्णन का प्रचार देख रहे राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर समर्थन भी मांगा है, हालांकि स्टालिन ने कुछ नहीं कहा है।

कोचिंग छात्रा से नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म

जयपुर, 19 अगस्त। गांधी नगर थाना इलाके में पड़ोसी युवक द्वारा नशीला पदार्थ पिलाकर होटल में कोचिंग छात्रा से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आरोपित इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो-वीडियो अपलोड कर छात्रा को ब्लैकमेल भी करने लगा। गांधी नगर थाने में दी गई शिकायत पर पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर काटकर करौली भेजी है।

पुलिस ने बताया कि करौली की रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि वह जयपुर के एक कोचिंग सैंटर में पढ़ाई कर रही है। गत 30 मई को वह जयपुर आने के लिए बस में बैठी थी। गांव का ही पड़ोसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दुष्कर्म के दौरान बनाये अश्लील फोटो-वीडियो अपलोड होने के बाद पीड़िता ने एफआईआर कराई।

'ग्लोबल रेटिंग में सुधार न केवल रिवॉर्ड, बल्कि रिमाइंडर है'

अमेरिकन ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ''स्टैण्डर्ड एण्ड पुअर'' द्वारा भारत की रेटिंग अपग्रेड करने पर विशेषज्ञों ने राय व्यक्त की

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 अगस्त। अमेरिकन ग्लोबल क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी स्टैंडर्ड एण्ड पुअर (एस एण्ड पी) द्वारा भारत की संप्रभु रेटिंग स्थिर आउटलुक के साथ बी बी बी तक अपग्रेड करना, केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं है क्योंकि गत 18 सालों में पहली बार ऐसा हुआ, यह असल में भारत की आर्थिक मजबूती, विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन और वैश्विक उथल-पुथल के बीच टिकाऊ विकास कहानी का ''बहुत देर से मिली लेकिन जरूरी मान्यता'' है। वर्षों से, बाज़ार और निवेशक भारत को उसकी रेटिंग से कहीं अधिक मजबूत क्रेडिट रिस्क मानते रहे हैं अब इसकी औपचारिक पुष्टि हो गई है।

यह अपग्रेड केवल आंकड़ों के कारण महत्वपूर्ण नहीं है जैसे कि वित्त वर्ष 2022 से 2024 के बीच औसतन 8.8 की जीडीपी वृद्धि, वित्त वर्ष 2026 के लिए 6.5 प्रतिशित की अनुमानित वृद्धि, घटता हुआ राजकोषीय घाटा और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सतत निवेश आदि, बल्कि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह दुनिया को एक संकेत देता है भारत अब वैश्विक परिस्थितियों में केवल टिकने वाला देश नहीं है, बल्कि वह अपनी नीति अनुशासन और ''प्रिडिक्टिबिलिटी'' (पूर्वानुमान की क्षमता) के साथ अपनी दिशा खुद तय कर रहा है।

इस कहानी में राजकोषीय समेकन सरकार द्वारा खर्च और कर्ज को नियंत्रित करने की प्रक्रिया की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सरकारें सालों से कल्याणकारी खर्च और पूंजी निर्माण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रहीं हैं। वर्तमान मान्यता इस ओर इंगित करती है कि अब भारत ने खासकर ''इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचा और लॉजिस्टिक्स'' पर गुणवत्तापूर्ण खर्च को प्राथमिकता दी है, जिससे दीर्घकालिक विकास की गति तेज होती है। महंगाई लक्ष्य निर्धारण, मजबूत मौद्रिक नीति ढांचा और गहरे होते पूंजी बाजार जैसे सुधारों ने भारत को बाहरी झटकों, जैसे कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव या अब व्यापारिक टैरिफ, से बचाने में सुरक्षा कवच दिया है।

एस एण्ड पी का यह फैसला एक रणनीतिक संकेतक भी है। अब भारत की रेटिंग इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसे देशों के समान स्तर पर है, जबकि मूलभूत आधार के लिहाज से भारत शायद उनसे भी मजबूत है। यह अपग्रेड भारत के लिए निम्नलिखित लाभ ला सकता है:

इस अपग्रेड से संप्रभु जोखिम प्रीमियम में कमी हो सकती है, कॉरपोरेट्स के लिए उधारी की लागत में गिरावट और सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड्स में विदेशी निवेशकों की भागीदारी बढ़ सकती है।

बाजार ने पहले ही सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है भारतीय बॉण्ड्स के प्रति रुचि बढ़ी है और बॉण्ड्स पर सालाना ब्याज भी आसान हुआ है।

लेकिन यह रेटिंग सुधार आत्मसंतोष का कारण नहीं बनना चाहिए। रेटिंग्स मूलतः पिछले प्रदर्शन पर आधारित संकेतक हैं, भविष्य की गारंटी नहीं। सरकार को चुनावी चक्रों के दौरान वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं करना चाहिए। साथ ही, अगर भारत को उत्पादकता में अगली बड़ी छलांग लगानी है, तो भूमि, श्रम और न्यायिक सुधारों को वास्तविक रूप में लागू करना होगा।

आलोचक यह सही कहते हैं कि यह मान्यता काफी देर से आई है। कोविड महामारी और वैश्विक वित्तीय संकटों के दौरान भारत के प्रदर्शन को देखते हुए रेटिंग एजेंसियों को पहले ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषज्ञों ने कहा, यह रिवॉर्ड है मौद्रिक एवं वित्तीय अनुशासन का और यह रिमाइंडर है कि क्रैडिबिलिटी कायम रखना एक सतत् प्रक्रिया है, अगर भारत ने ग्रोथ एवं स्थिरता में नाज़ुक संतुलन कायम रखा तो आगे इसकी रेटिंग और बेहतर हो सकती है।
- विशेषज्ञों ने माना कि देर से ही सही पर अब भारत को ''अपग्रेड'' किया गया है लेकिन अभी लम्बी लड़ाई बाकी है।
- एस एण्ड पी द्वारा रेटिंग अपग्रेड करने से भारत इंडोनेशिया व मैक्सिको के बराबर आ गया है और अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ार में भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई है।

जयशंकर तीन दिन की यात्रा पर रुस रवाना

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर आज रूस की तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे जहां वह रूस के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के अलावा भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि डॉ जयशंकर की यह यात्रा रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के निमंत्रण पर हो रही है।

यात्रा के दौरान वह बुधवार को निर्धारित भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विदेश मंत्री जयशंकर रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटूरोव के निमंत्रण पर रुस गए हैं।

विचार बिन्दु

दया चरित्र को सुन्दर बनाती है। –जेम्स एलन

छोटे कस्बों में आ रहा बदलाव भारत को बदल रहा है

राजनीतिक नारों और दलीय पक्षधरता वाले विश्लेषणों को छोड़ कर नई दृष्टि से देखें तो इक्कीसवीं सदी की चौथाई यात्रा पूरी कर रहा भारत बदल रहा है। इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं जब कुछ चीजें उन स्पष्ट तरीकों से नहीं बदलती हैं जिन्हें आंकड़ों या जीडीपी चार्ट से मापा जा सके। भारत में यह बदलाव प्रौद्योगिकी की तड़क-भड़क वाले बड़े शहरों में ही नहीं आ रहा है जहां पढ़ी-लिखी युवा पीढ़ी सेवा क्षेत्र में फल-फूल रही है, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी आ रहा है। किन्तु यह बदलाव हमारे मुख्यधारा के मीडियाकर्मियों की निगाह में नहीं आ रहा है। इसलिए इस बदलाव की कहानी जब विदेशी मीडिया में आती है तभी हमें उसका भान होता है। यह कहावत सही उतरती है कि हम हिन्दुस्तानी किसी अपने को तभी पहचानते हैं जब विदेश के लोग उसे पहचानने लगते हैं। भारत में आ रहा यह बदलाव केवल कुछ अकादमिक परिवर्तन या बौद्धिक पुनरुत्थान का नहीं हैं बल्कि मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी है। यह कुछ गहरा और अधिक मौलिक है। यह ऐसा बदलाव है जो पलटा नहीं जा सकता।

प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका नेशनल ज्योग्राफी ने पूर्वी राजस्थान के एक छोटे से कस्बे गंगापुर के स्थानीय उद्यमियों पर अपने जुलाई अंक में फीचर स्टोरी '**व्हेयर आइसक्रीम इज़ किंग**' की है जो इस बदलाव की खबर देती है। ब्रायन केविन के आलेख और फेडेरिको बोरेला तथा माइकल बाल्बोनी के खींचे अनेक चित्रों सहित मैगज़ीन की कहानी प्रतिष्ठित संस्थानों की ऊंची डिग्रियों को लेकर सफलता के ऊंचे मचानों पर चढ़ने वालों की नहीं है। वह ज़मीन से जुड़े मगर शहरी लोगों से पीछे छूट गये अति सामान्य ग्रामीण और कस्बाई लोगों की कहानी है जो गंगापुर को भारतीय उद्यमशीलता का ज्वलंत उदाहरण बताती है। इस पत्रिका का आलेख एक उदाहरण से शुरू होता है:– जब शाहरुख शाह बालक था तब गंगापुर छोटा, धूल भरा कस्बा हुआ करता था, जिसकी कोई ख्याति नहीं थी। वहां लोगों का मुख्य धंधा खेतीबाड़ी का था। जैसा आम तौर पर गावों में होता है शाह के परिवार पास के तीन एकड़ जमीन थी जिस पर मक्का और गेहूं की फसलें होती थी। लेकिन देश के सबसे बड़े और सबसे शुष्क राज्य में खेती कभी आसान नहीं रही। और जैसे-जैसे शाह बड़ा हुआ खेती और भी कठिन होती गयी क्योंकि बारिश का मौसम और भी अनिश्चित होता गया। सूखा अधिक बार पड़ता और सिंचाई के लिए पानी मिलना मुश्किल होता गया। फिर, 2014 के आसपास, जब शाह किशोर अवस्था में था, उसके पिता ने खेतीबाड़ी छोड़कर उस व्यवसाय को अपनाने का फैसला किया जिसने गंगापुर को मानचित्र पर ला खड़ा किया। यह मानचित्र है आइसक्रीम।

कोई भी यह जानकर दंग रह सकता है कि आज गंगापुर आइसक्रीम की गाड़ियों के निर्माण का केंद्र बन गया है। इसके मुख्य मार्ग का लगभग एक किलोमीटर से अधिक लंबा हिस्सा गैरेजों से घिरा हुआ है जो गाड़ियों की बॉडी बनाने और सजाने तथा उन्हें मिनी ट्रकों के बेड पर जोड़ने में माहिर हैं। टेम्पो कहलाने वाले वाहनों को रंगीन साइनेज और एलईडी लाइट्स से सजाया जाता है, और लगभग 21,000 लोगों का शहर प्रिंट शॉप और स्टोरफ्रंट से भर गया है। यहां के अपने बूते पर उद्यमी बने लोग आइसक्रीम टेम्पो के मालिकों के लिए कूलर, मिक्सर मशीन, सिरप और स्कूप बेचते हैं। हालांकि ऐसी गाड़ियां बनाना लंबे समय से गंगापुर में एक छोटा उद्योग रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय जल संकट के कारण आइसक्रीम टेम्पो की मांग बढ़ गई है, और उसी में राजस्थान के किसान वैकल्पिक आय की तलाश कर रहे हैं – शाह के परिवार जैसे शुरुआती अपनाने वालों ने यह दिखाया है कि आइसक्रीम से पैसे कैसे कमाए जा सकते हैं।

गंगापुर के लोगों ने जो कर दिखाया है वह हमारे राजनीति की खबरों की चकाचौंध में रहने के आदी हो चले मीडिया को नहीं दिखता। गंगापुर नये भारत का वह ट्रेंड दिखाता है जिसमें लोग डिग्रियां लेकर नौकरियों नहीं मिलने का रोना नहीं रोते हैं। इस कस्बे के लोगों ने अपने देशी कौशल और मेहनत से जो रास्ता बनाया है वह भारत की नई तकदीर गढ़ता है। शाह कहते हैं, "हम चार से छह महीने काम करके एक साल के लिए पर्याप्त कमा लेते हैं।" उन्होंने अपने पिता के टेम्पो से आइसक्रीम बेचना शुरू किया और अब, 30 साल की उम्र में, गंगापुर से 50 मील दूर एक गांव में हर गर्मियों में अपनी खुद की आइसक्रीम पार्लर चलाते हैं। वह कई मौसमी आइसक्रीम विक्रेताओं को जानते हैं जो दूर-दूर तक यात्रा करते हैं – कभी-कभी एक हज़ार किलोमीटर से भी ज़्यादा। ऐसे विक्रेता देश में इन चौराहों पर नज़र रखते हैं जहां नाश्ता खरीदने वाले मध्यम वर्ग की संख्या बढ़ गई है। गर्मियों में गंगापुर एक महत्वपूर्ण विपणन केंद्र बन जाता है, जहां पूरे भारत से आइसक्रीम विक्रेता टेम्पो बनवाने के लिए वहां आते हैं। बाबा रायचंद, जिन्होंने गंगापुर की टेम्पो दुकानों के लिए यूट्यूब मार्केटिंग वीडियो रिकॉर्ड करने को अपना पेशा बना लिया है, कहते हैं कि शहर में 200 से ज़्यादा टेम्पो बनते हैं, जो तीन साल पहले की तुलना में दोगुने हैं। यहां के उद्यमी दूर-दराज के इलाकों तक के ग्राहकों को सेवाएं देते हैं। शाह का अनुमान है कि पिछले 10 सालों में गंगापुर ने लाखों आइसक्रीम टेम्पो बनाए हैं – जिनमें से उन्होंने खुद लगभग 80 बनाए हैं। उन्होंने चार साल पहले अपनी खुद की फैब्रिकेशन शॉप खोली थी ताकि गर्मियों में जब वे आइसक्रीम की बिक्री नहीं कर रहे होते हैं तो उस समय का भी फ़ायदा उठा सकें। गंगापुर के ही आशीष सुवालका को भारतीय उपमहाद्वीप में आइसक्रीम की मांग की कोई सीमा नहीं नजर आती है, वह असीमित है। गंगापुर के एक किसान परिवार से आने वाले सुवालका अब दक्षिणी राजस्थान के लगभग पांच लाख की आबादी वाले शहर उदयपुर में रहते हैं। 24 साल की उम्र में उनके पास तीन आइसक्रीम टेम्पो हैं और उन्हें चलाने के लिए एक छोटा सी टोली भी है। सुवालका कहते हैं, "आबादी बढ़ रही है और अब हर कोई कुछ मीठा चाहता है।"

> **पिछले दो दशकों में भारत के छोटे कस्बों में छोटे उद्यमों के उभार के उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। यह ऐसे बदलाव हैं जो समाज और अर्थव्यवस्था बदल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव स्थानीय उद्यमिता के स्तर पर देखा जा सकता है। सरकारी योजनाओं, माइक्रो-फाइनेंस, डिजिटल लेनदेन और नई तकनीक ने कस्बों में स्वरोज़गार और छोटे उद्योगों के लिए नए अवसर खोले हैं।**

देश में आ रहे बदलाव का गंगापुर एक अकेला उदाहरण नहीं है जिसे संयोग से विदेशी पत्रिका ने खोज लिया। छोटे कस्बों का बदलता परिदृश्य भारतीय मीडिया में उपेक्षा क्यों पाता है इस पर पत्रकारिता का कोई विश्वविद्यालय अध्ययन भी नहीं कराता। भारत के छोटे कस्बे लंबे समय तक विकास की दौड़ में पिछड़े हुए माने जाते रहे हैं। महानगरों की चमक और राजधानी के राजनीतिक-सांस्कृतिक विमर्श ने अक्सर इन कस्बों के जीवन को ढक लिया। परंतु पिछले दो दशकों में भारत के छोटे कस्बों में छोटे उद्यमों के उभार के उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। यह ऐसे बदलाव हैं जो समाज और अर्थव्यवस्था बदल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव स्थानीय उद्यमिता के स्तर पर देखा जा सकता है। सरकारी योजनाओं, माइक्रो-फाइनेंस, डिजिटल लेनदेन और नई तकनीक ने कस्बों में स्वरोज़गार और छोटे उद्योगों के लिए नए अवसर खोले हैं। मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर, ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं, ब्यूटी पार्लर, छोटे ढाबों से लेकर मिनी-मॉल और स्थानीय ब्रांडेड दुकानों तक-छोटे कस्बों की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे आत्मनिर्भर और विविधतापूर्ण बन रही है। डिजिटल क्रांति ने भी अवसरों की नयी राहें खोल दी है। इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच ने इन कस्बों की सोच और आकांक्षाओं को नया आयाम दिया है। शिक्षा, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन बिज़नेस ने यहां के युवाओं को सीधे वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जोड़ दिया है। अब कस्बों के युवा यूट्यूब चैनल चला रहे हैं, इंस्टाग्राम पेज बना रहे हैं, ऑनलाइन ट्यूशन और ग्राफिक डिजाइनिंग जैसी सेवाएं बेच रहे हैं।

यह सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का भी संकेत है। विकास केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी दिखता है। बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के कारण महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। छोटे कस्बों में पहले जो सीमित सांस्कृतिक गतिविधियाँ थीं, आज वहां स्थानीय मेलों, थिएटर, और स्टार्टअप मीटअप जैसे आयोजन होने लगे हैं। मगर सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात है मीडिया की उपेक्षा की। वह इतने महत्वपूर्ण बदलावों को नहीं देख रहा है। मुख्यधारा का मीडिया प्रायः केवल राजनीतिक संघर्ष, अपराध या सनसनीखेज घटनाओं पर ही ध्यान केंद्रित करता है। यह समाचार मीडिया अच्छा व्यवसायी भी नहीं है। यह भी सच है कि मीडियाकर्मी होने का मुखौटा लगाए कुछ लोग अपनी कमाई समाचार व्यवसाय से नहीं अपराध से करने में लगे हैं जिनकी खबरें यदा-कदा सामने आती भी हैं। छोटे कस्बों में पनपते उद्यम, स्थानीय नवाचार, या नई सामाजिक पहलें समाचार मीडिया की प्राथमिकताओं में नहीं होतीं। परिणामस्वरूप इन परिवर्तनों की चर्चा न तो राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है और न ही नीति-निर्माण की ठोस दिशा तय कर पाती है। इंफ्लुएंसर बन कर प्रचार का धंधा करना अब सबको भाता है। मीडियाकर्मी बनाने वाले शिक्षा संस्थान भी अपने विद्यार्थियों को वह दृष्टि नहीं दे पाते हैं क्योंकि वहां के शिक्षक जड़ हो चुके हैं और किताबी ज्ञान के ही जर्जर ताने-बाने बुनते रहते हैं। भारत के छोटे कस्बे अब 'पिछड़ेपन' का पर्याय नहीं रहे हैं। वे आज परिवर्तन और संभावनाओं के जीवंत केंद्र बन चुके हैं। यह आवश्यक है कि मीडिया अपनी दृष्टि को महानगरों से हटाकर इन कस्बों की ओर मोड़े, ताकि विकास की सच्ची कहानी सामने आ सके और वहां की जरूरतें भी। तभी यह बदलाव नीति निर्माताओं को भी दिशा दे सकेगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

शालीनता और शुचिता की सीमा लांघते शब्द

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

लोकसभा में विपक्ष के नेता द्वारा निर्वाचन आयोग पर 'वोट चोरी' के गम्भीर आरोप लगाने पर 14 अगस्त को कहा कि विपक्ष 'वोट चोरी' जैसे गंदे शब्दों का इस्तेमाल न करें। ऐसे गंदे वाक्यांशों का इस्तेमाल न केवल करोड़ों भारतीय मतदाताओं पर सीधा हमला है, बल्कि लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर भी हमला है। आयोग द्वारा कहा गया कि 'यदि किसी के पास किसी व्यक्ति द्वारा किसी चुनाव में दो बार मतदान करने का कोई सबूत है, तो उसे लिखित हलफनामे के साथ भारत के सभी मतदाताओं को बिना किसी सबूत के 'चोर' बताने के बजाय, चुनाव आयोग के साथ साझा किया जाना चाहिए।'

अनुशासित कही जाने वाली भारतीय जनता पार्टी की मध्य प्रदेश सरकार में एक मंत्री ने ऑपरेशन सिन्दूर के समय अपनी वाणी का संयम खोकर एक महिला सैन्य अधिकारी के सम्बन्ध जो वक्तव्य दिया उसने शालीनता की सीमाओं को लांघ दिया जिसकी देश में घोर निन्दा हुई और न्यायालय के दखल के बाद मंत्री को माफी मांगनी पड़ी। पिछले लोकसभा चुनाव के समय देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' जैसे शब्दों का इस्तेमाल द्वारा किया गया। कांग्रेस के युवा नेता द्वारा जन-सभाओं में 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया गया था। विदेशों में बसे मेरे भारतीय मित्रों ने जब सोशल मीडिया के माध्यम से जानना चाहा कि क्या इसमें कोई सच्चाई है? मैंने अपनी समझ से उन्हें उत्तर तो दे दिया, मगर मन में एक अपमान बोध-सा महसूस हुआ और प्रश्न उठा कि हमारी राजनीति में शब्दों की शालीनता और शिष्टता में गिरावट कहां तक जाएगी?

चौकीदार चोर है, वोट चोरी, लोकतंत्र समाप्त हो रहा है, जैसे नारों का उपयोग करने वाले दलों पर ही इसका उल्टा प्रभाव पड़ जाये तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि हमारे देश का पढ़ा-लिखा मतदाता अब समझदार हो गया है। भारत की राजनीति में आज भाषायी शालीनता का तेजी से ह्रास होता जा रहा है। मैंने अपने राजकीय सेवा काल के 40 वर्षों में से 30 वर्ष राजस्थान विधान सभा जैसे गरिमामयी संस्थान में कार्यरत रहते हुए राजनीति से जुड़े माननीयों के बीच बिताये हैं। यहां सम्पूर्ण प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा सदन में की जाने वाली चर्चा देखने-सुनने का अवसर मिला। मेरे अनुभव का निचोड़ यही रहा कि भाषा की जो शालीनता राजस्थान की संस्कृति में है वह अपने आपमें अद्भुत है। सदन में जहां सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा अपनी उपलब्धियां गिनाई जाती हैं। वहीं विपक्ष उनकी कटु आलोचना करता है। वाद-विवाद से हमें नई जानकारियां मिलती हैं और अधिक जानने की इच्छा भी बलवती है। राजस्थान विधानसभा में एकाधिक बार सदस्य रहे भैरोंसिंह शेखावत, हरिशंकर भाभड़ा, वसुन्धरा राजे एवं सुमित्रा सिंह, गुलाबचन्द कटारिया, वासुदेव देवनानी, हरिदेव जोशी, अशोक गहलोत, परसराम मदेरणा, डॉ. सी.पी. जोशी, शिवनाथ सिंह, पूनमचन्द विश्नोई जैसे माननीय सदस्यों को सदन में कभी असंसदीय शब्दावली का प्रयोग करते नहीं देखा गया। सदन में ज्वलंत मुद्दों को बेबाकी से उठाने वाले सुरेन्द्र व्यास ने भले ही मुख्य मंत्रियों तक की कटु एवं तीखी आलोचना की हो लेकिन कभी असंसदीय शब्दावली का प्रयोग नहीं किया। संविधान के अनुच्छेद 105 एवं 194 में सांसदों और विधायकों को सदनों में बोलने की पूर्ण स्वतंत्रता होती है। लेकिन आवेश और आवेग में जब वे असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल कर जाते हैं तो अध्यक्ष द्वारा उन शब्दों को कार्यवाही के अधिकृत अभिलेख से निकाल दिया जाता है। ऐसे में यह विचारणीय है कि सदनों की कार्यवाही से निकाली जाने वाली असंसदीय अभिव्यक्तियों का क्या औचित्य रह जाता है। इस बारे में अनेक संसदीय विद्वानों और राजनीतिज्ञों ने मत व्यक्त किया है कि ऐसी अभिव्यक्तियों को कार्यवाही से नहीं निकाला जाये और जनता के प्रतिनिधियों द्वारा प्रयुक्त भाषा को ज्यों का त्यों रखा जाये।

बड़े दुःख की बात है कि पक्ष-विपक्ष के नेताओं के बीच पारस्परिक सम्मान तथा भाषायी शालीनता आज कहीं तिरोहित होती जा रही है। भारत की राजनीति में भाषाई अभद्रता का तेजी से सामान्यीकरण हो रहा है। चिंता इस बात की भी है कि इसे रोकने की दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं किये जा रहे। वर्तमान 16वीं राजस्थान विधान सभा के अभी तो 3 ही सत्र हुए हैं लेकिन यह भी असंसदीय शब्दों के इस्तेमाल से अछूती नहीं है। तीसरे सत्र में एक मंत्री द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री के लिए किये गये 'दादी' शब्द के प्रयोग पर विपक्ष के विरोध के कारण कई दिन तक सदन में हंगामा और गतिरोध रहा। विपक्ष के 6 विधायकों के निलम्बन पर सदन में धरना दिया गया। 24 फरवरी 2025 को सभा की कार्यवाही के स्थगन के उपरांत सभा कक्ष में धरना दे रहे विपक्षी सदस्यों में से एक वरिष्ठ सदस्य द्वारा आसन (अध्यक्ष) के प्रति जो कुछ कहा गया वह राजस्थान की राजनीति में भाषा की मर्यादा को तार-तार कर गया। चूँकि उस वक्त सभा की बैठक नहीं हो रही थी लेकिन पत्रकार दीर्घा में समाचार पत्रों के रिपोर्टर उपस्थिति थे जिससे वरिष्ठ विधायक द्वारा प्रयुक्त असंसदीय शब्दावली एक प्रमुख अखबार में यथावत प्रकाशित हो गई जिससे जनता ने देखा और पढ़ा कि हमारे नेताओं के बिगड़े बोल किस स्तर तक जा सकते हैं!

राजस्थान की संस्कृति और राजनीति में 'पोपा बाई का राज' एक प्रसिद्ध मुहावरा है जिसका उपयोग ऐसी स्थिति के लिए किया जाता है जब किसी सरकार या संगठन में अव्यवस्था का बोलबाला होता है। राजस्थान विधान सभा के सदन में कई बार इस मुहावरे का प्रयोग किया गया और इसे असंसदीय माना जाता था लेकिन 12वीं विधान सभा की अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने इस विषय पर सदन में कुछ देर चर्चा करवाई जिसके बाद इसे असंसदीय नहीं माना गया। वर्तमान में भारतीय राजनीति में वाणी का संयम खोते नेताओं के बिगड़े बोल, अशालीन, अभद्र और असभ्य भाषा की मानसिकता चिन्ताजनक है। देश के नेताओं और मंत्रियों को ऐसे स्तरहीन कथनों और वक्तव्यों से परहेज करना चाहिए। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। आज चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेतागण ऐसे विवादित बयान देते रहते हैं, जिससे ऐसा परिवेश निर्मित होता है जिसमें आमजन के मन में राजनीति और राजनेताओं के लिये वितृष्णा ही पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते और देखने-सुनने में छोटे होते हैं पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और देर तक रहने वाला इनका प्रभाव दूर तक पहुंचता है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे बिगड़े बोलों की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की हैं। राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात को प्रभावी तरीके से कहने के चक्कर में गलत शब्दों का चयन हो जाता है जिसका परिणाम घातक होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगते हैं तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। सत्ता के अहंकार में आज अनेक नेताओं की यह आदत-सी बन गई है कि एक गलती या असत्य को छिपाने के लिए वे निरंतर गलतियां करते रहते हैं। एक अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए तो उसे तत्काल सुधारता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। टैक्नोलॉजी के विकसित होने से यह ध्यान रखना चाहिए कि पहले केवल शब्द वायरल होते थे, पर अब शब्दों के साथ वीडियो भी वायरल होता है। अतः देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी और अप्रिय वक्तव्य देने से बचना चाहिए।

नेता चाहे सत्ता पक्ष के हों या प्रतिपक्ष के, जोश में अक्सर वाणी का संयम, शालीनता और शिष्टता की सीमा लांघ जाते हैं। समय-समय पर माननीय सर्वोच्च सुप्रीम न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों का भी ध्यान नहीं रखते। देश एवं दुनिया की नजरें नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं के नकारात्मक कृत्यों पर टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को पनपने न दे। राजनीति में शब्दों की शालीनता बहुत आवश्यक है। यह न केवल एक सभ्य समाज की पहचान है, बल्कि यह राजनीतिक संवाद को भी स्वस्थ और रचनात्मक बनाती है। सभ्य और शालीन भाषा से एक सकारात्मक और सम्मानजनक माहौल बनाता है, जहाँ लोग अपनी राय व्यक्त करने में स्वयं को सहज महसूस करते हैं। शालीनता और शुचिता लोगों को एक-दूसरे की बात सुनने-समझने को प्रेरित करती है जिससे होने वाली चर्चाएं रचनात्मक होती हैं जो विश्वास और सम्मान की भावना को बढ़ाती हैं।

- डॉ. कैलाशचंद सैनी
पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी, राजस्थान विधानसभा, जयपुर।

राजनीति में विरोध : आलोचना

रामनिवास बैरवा

पूंजीवाद की सफलता इसी में है कि वह एक तरफ तो आदर्शों का आडम्बर खड़ा करता है तो दूसरी तरफ चरित्र हनन के द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वी को खतम करता है। भारत की वर्तमान राजनीति भी इन्हीं दो तथ्यों को अपना कर चल रही है। लोकतन्त्रों में सभी भागीदार राजनीतिक पार्टियां अपने उच्चतम लोकतान्त्रिक मूल्यों के तहत सत्ताधारी पार्टी विपक्ष की आलोचना करता है वहीं विपक्ष सत्ताधारी पार्टी की नीतियों और गतिविधियों का विरोध करता है। लेकिन, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं, लोकतान्त्रिक परम्पराएं कमजोर होती हैं, वहां विरोध गायब हो जाता है बस आलोचना करना ही बचता है। सिद्धांतहीनता, सिद्धांतों की दिशाहीनता अपने प्रतिद्वंद्वी-विपक्षी की आलोचना को चरित्र हनन में बदल देते हैं। आलोचनाएं तब ही सार्थक होती हैं जब कोई सिद्धांत हो, सैद्धान्तिक आधार हो। बिना सिद्धांतों के, बिना सैद्धान्तिक आधार के आलोचना अक्सर व्यक्तिगत आक्षेपों से आगे बढ़कर चरित्र हनन तक चली जाती है।

आज की भारतीय राजनीति में अढ़ाई विचारधाराएं सक्रिय है, जिनका भारत के संविधान में भी जिक्र है। इन अढ़ाई विचारधाराओं, सिद्धांतों में एक है पूंजीवाद जो कि अवश्यम्भावी है और जिसकी राजनीतिक अभिव्यक्ति लोकतान्त्रिक व्यवस्था में दिखाई देती है। दूसरी सैद्धान्तिक विचारधारा है कम्युनिज्म की, साम्यवाद की, जो भविष्य की समाजवादी व्यवस्था का वाहक है। भारत के संविधान में मूल अधिकारों और राज्यों की नीति के निदेशक तत्वों के रूप में इन्हें देखा जा सकता है। राज्यों की नीति के निदेशक तत्वों को राज्यों के नीति निर्माण में स्वैच्छिक बना कर सामन्तवादी सामाजिक तत्वों को जीवित रखा गया है, यही वह आधा तत्व है जो विचारों की सिद्धान्तों में आधी-अधूरी विचारधारा को जोड़ता है जो इन्हें अढ़ाई सैद्धांतिक बनाती है। इन्हीं दोनों का संघर्ष राजनीतिक पार्टियों में भी दिखाई देती है, जिनमें अर्द्धतत्व सामन्तवाद का जुड़ हुआ है।

इस प्रकार से आधा सिद्धांत, आधी विचारधारा है सामन्वादी समाज व्यवस्था की। पूंजीवाद भी इसे अपनी सुरक्षा का कवच बनाये हुए है और कम्युनिज्म भी इसी को आधार बनाकर पूंजीवाद के खिलाफ संघर्ष करता है। चूंकि भारत की सामन्तवादी व्यवस्था सामूहिक, सामाजिक गुलामी की विचारधारा पर आधारित है, जो जातियों के रूप में मौजूद है अतः उस जातीय व्यवस्था के प्रति व्यवहार के चरित्र को पूंजीवाद ने अपनाकर अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है, जिसमें सामूहिक चरित्रहनन सामान्य व्यवहार का घोतक है।

लोकतन्त्र में विरोध सरकारी पक्ष की उन गतिविधियों पर आधारित होता है जो विरोधी दलों को सामाजिक रूप से लाभदायक नहीं हो। विरोध में उन गतिविधियों को पूरी तरह से हटा देने की मांग अन्तर्निहित होती है। वहीं पर आलोचना या तो सिद्धांतों पर आधारित होती है या व्यक्तिगत आक्षेप लगाने पर आधारित होती है। यह राजनीतिक पार्टियों यह आलोचना, यह विरोध उनका संघर्ष नहीं है, बल्कि उनके अन्तर्विरोध हैं, जिसे संघर्ष के रूप में जनता के सामने लाया जाता है। ऐसे में सत्ताधारी पार्टी यही चाहती है कि उनकी सत्ता लम्बे समय तक बनी रहे। और चूंकि सभी राजनीतिक पार्टियों का गठन सामन्तवादी सामाजिक आधारों पर किया हुआ है अतः उनमें विचाराधारात्मक मतभेद नहीं होता है और वे, उसी सामन्तवादी व्यवहारों के अनुसार सामूहिक चरित्र हनन के साथ-साथ व्यक्तिगत चरित्र हनन को अपनी बढ़त बनाने का आधार बना लेते हैं।

इसी परम्परा में पिछली आधी शताब्दी से भी ज्यादा समय से देखा जा रहा है कि लोकतन्त्र को कथित रक्षक राजनीतिक पार्टियों किसी भी विचारधारात्मक विरोध या आलोचना को पीछे धकेलते हुए हरेक स्तर के प्रमुख नेताओं, लोगों के व्यक्तिगत चरित्र हनन का रास्ता अपनाये हुए है जिससे पिछले सौ वर्षों से भी अधिक के समय में उभरे नेताओं के व्यक्तिगत चरित्र का हनन करने की एक परम्परा बना ली गई है। यह भारतीय राजनीति का निकृष्टतम स्वरूप है जिससे बड़े, छोटे सभी नेता अपनी कुंठाओं को बाहर निकालते हैं, अपने खुद के हीन चरित्र को छुपाने के लिए जोर-शोर से एक-दूसरे के व्यक्तिगत चरित्र पर लांछन लगाते हैं। इस प्रकार के चरित्रहनन में अनिवार्य रूप से महिलाओं का भी सामूहिक चरित्र हनन किया जा रहा है। और हरेक आलोचना, हरेक विरोधी देशद्रोही बनाया हुआ है।

- रामनिवास बैरवा
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य पार

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रेरणादायी नेतृत्व में राजस्थान ने "हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान" को एक जनआंदोलन का रूप दिया है। प्रदेश में इस मानसून में 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य हासिल हो चुका है, मानसून अभी विदा नहीं हुआ है, पौधारोपण जारी है जिससे उम्मीद की जा सकती है कि उपलब्धि ऐतिहासिक होगी। यह अभियान राजस्थान को हरियाली से आच्छादित करने की ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

राज्य सरकार ने इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया था। अब तक 10 करोड़ 21 लाख 22 हजार 351 पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें व्यक्तिगत वृक्षारोपण संख्या 37 लाख 51 हजार 534 और ब्लॉक स्तर वृक्षारोपण संख्या 9 करोड़ 83 लाख 70 हजार 817 रही। पिछले साल भी इस अभियान के तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए थे। इस बार शिक्षा विभाग, वन विभाग, आरडीपीआर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। 27 जुलाई, 2025 को हरियाली तीज पर आयोजित 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के अवसर पर मात्र एक दिन में 2 करोड़ 50 लाख पौधारोपण कर नया रिकॉर्ड बनाया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'मिशन हरियालो राजस्थान' के तहत पाँच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' महाअभियान से भी जोड़ा गया है। राज्य सरकार वृक्ष मित्र योजना भी चला रही है। 200 पौधे लगाने वाले को वृक्ष मित्र का दर्जा दिया जाएगा। पूरे प्रदेश में 2 हजार वृक्ष मित्र बनाए जा रहे हैं जिन्हें मानदेय भी मिलेगा। इसके साथ ही हर जिले में आमजन की सहभागिता से मातृ वन विकसित किए जा रहे हैं। लोग जन्मदिवस, सालगिरह या स्मृति स्वरूप पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ रहे हैं।

राज्य सरकार पौधों का अधिकतम सर्वाईवल सुनिश्चित करने के लिए जलवायु और मिट्टी की अनुकूलता को प्राथमिकता दे रही है। इससे पौधों के जीवित रहने और वृक्ष बनने की संभावना अधिक बढ़ी है। अभियान की पारदर्शिता और सफलता सुनिश्चित करने के लिए हरियालो राजस्थान मोबाइल एप तैयार किया गया है। इस एप के माध्यम से लगाए गए प्रत्येक पौधे की जियो टैगिंग की जा रही है, ताकि उसकी सुरक्षा और संवर्धन पर सतत निगरानी रखी जा सके। राज्य सरकार के प्रयास से यह अभियान सिर्फ सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर जनआंदोलन बन गया है। नदियों और तालाबों के किनारों, औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास, विद्यालयों, अस्पतालों तथा नगरीय क्षेत्रों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जा रही है। सामाजिक संगठनों, शैक्षिणक संस्थाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान आमजन से सीधा जुड़ रहा है। पौधे को लगाने से लेकर उन्हें वृक्ष बनने तक सहेजने का संकल्प श्री भजनलाल शर्मा की पर्यावरणीय सोच को दर्शाता है। यह पहल राजस्थान को हरित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगी।

ईशा सैनी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 20 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 12:27 तक, सिद्धि योग सायं 6:13 तक, तैतिल करण दिन 1:59 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:53 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज बीछ बारस, वत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, जैन प्रयुषण आरम्भ (चतुर्थी पक्ष) है। आज शुक्र कर्क राशि में रात्रि 1:20 पर प्रवेश करेगा। आज राजीव गांधी जन्म दिवस और सद्भावना दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:17 तक, शुभ 10:54 से 12:20 तक, चर 3:43 से 5:20 तक, लाभ 5:20 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:04, सूर्यास्त 6:56

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

भोजनशाला का किया निरीक्षण

करौली, (निसं)। करौली उप जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद के कार्यवाहक आयुक्त ने सोमवार को मां अन्नपूर्णा निशुल्क भोजनशाला का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने गरीब, बुजुर्ग, अस्पताल की भर्ती रोगियों एवं परिजनों को कराए जा रहे निशुल्क भोजन कार्य की सराहना की। उन्होने बताया कि सोमवार को शाम 6:00 बजे के करीब करौली नगर परिषद के कार्यकारी आयुक्त प्रेमराज मीना नई सब्जी मंडी में निरीक्षण के लिए पहुंचे इस दौरान वह मां अन्नपूर्णा निशुल्क भोजनशाला में पहुंचे जहां भोजन शाला समिति के अध्यक्ष के बाला साहब, समिति पदाधिकारी एवं भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भोरू सिंह जादौन, देवेंद्र शर्मा ने भोजन शाला द्वारा किए जा रहे कार्यों के विस्तार से जानकारी दी तो उन्होंने कार्य की सराहना की इस दौरान समिति के पदाधिकारी ने भोजन शाला के आसपास व्याप्त गंदगी से अवगत कराया वही मुख्य सड़क मार्ग पर यातायात अवरोध होने के बारे में जानकारी दी।

'गोवर्धन आस्था का केन्द्र, धार्मिक आयोजनों से बढ़ता है प्रेम व भाईचारा : मदन राठौड़

- सनातन संस्कृति पूरे विश्व की कल्याण की बात करती है। बच्चों को भी जन्म से धार्मिक संस्कार देने चाहिए : राठौड़
- गिर्राज जी महाराज को छप्पन भोग लगाकर नंद महोत्सव मनाया

गंगापुर सिटी, (निसं)। श्री गोवर्धन सेवा समिति के तत्वावधान में बृज चौरासी की एकादश यात्रा के दौरान गंगापुर सिटी वालो की धर्मशाला में फूल बंगला कर गिर्राज जी महाराज को छप्पन भोग लगाकर नंद महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया।

यात्रा संयोजक विजय गोयल ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मदन राठौड प्रदेश अध्यक्ष भाजपा राजस्थान सरकार, कार्यक्रम के अध्यक्षता भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री मिथलेश गौतम, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंहगुर्जर, मनीष लंबरदार प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत गोवर्धन आदि थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने गिर्राज जी महाराज के विग्रह के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर की। समिति पदाधिकारीयों ने 21 किलो की माला पहनाकर मुख्य अतिथि राठौड सहित सभी अतिथियो का स्वागत किया। इस दौरान राघव आर्ट वृंदावन रूप ने विभिन्न प्रस्तुतियां दे कर समां बांध दिया। कलाकारों ने बांके बिहारी तेरे मोटे मोटे नैन, कान्हा मोर बन आयो, दे दे बधाई मैया दे दे बधाई, छम छम नांचे वीर हनुमाना आदि अनेक भजनों के साथ मनमोहक छवि की झांकी देकर यात्रियों का मन मोह लिया। यात्रियों ने कलाकारों के साथ जमकर नृत्य किया एवं बांके बिहारी, राधारानी के जयकारे लगाए। इस दौरान मुख्य अतिथी भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि गोवर्धन भक्तों की आस्था का केंद्र है। धार्मिक आयोजनों से प्रेम एवं भाईचारा बढ़ता है। सनातन संस्कृति पूरे विश्व की कल्याण की बात करती है। बच्चों को भी जन्म से धार्मिक संस्कार देने चाहिए।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने बृज 84 कोस के यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी कुशल मंगल की कामना की। गुर्जर ने कहा की राधारानी की कृपा से ही बृज चौरासी कोस की यात्रा संभव है। विशिष्ट अतिथि मनीष लंबरदार प्रतिनिधि चैयरमेन नगर पंचायत गोवर्धन ने कहा कि धार्मिक आस्था में राजस्थान का अग्रिम स्थान है। 84 कोस की यात्रा का बहुत ही धार्मिक महत्व है। समिति के अध्यक्ष कमलेश गोयल ने अतिथियों की अगवानी की और कहा कि समिति अपने परिवार की तरह यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध करा रही है। कार्यक्रम का संचालन यात्रा संयोजक विजय गोयल ने किया। कार्यक्रम में सहसंयोजक मदनगोपाल बैग, प्रमोद मोदी, यात्रा व्यवस्थापक महेश बंसल, महामंत्री मोहन कुनकटा, सीताराम धोलेटा, एडवोकेट जगदीश गुप्ता, घनश्याम बजाज, प्यारेलाल मेडिकल, हनुमान लोहा, लक्ष्मी नारायण प्रॉपर्टी, रामू छोटी उदेई, वासुदेव गुप्ता ऐईन, बच्चूलाल गुप्ता, महेश आरेड्या, मनीष सिराधना, राहुल गुप्ता, यात्रा मार्गदर्शक अजय विजय चौबे पंडा मथुरा, धर्मशाला मैनेजर बालकृष्ण शर्मा के साथ अनेक यात्री एवं महानुभाव उपस्थित रहे।

मेघावी छात्राओं को मिला हवाई यात्रा का अनुभव

गंगापुर सिटी, (निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल कल्याणजी गेट की दो मेधावी छात्राओं ने अपने जीवन में पहली बार हवाई यात्रा का अनुभव लिया। लायंस क्लब गरिमा द्वारा आयोजित मेधावी छात्रा हवाई यात्रा प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत यह यात्रा 18 अगस्त 2025 को संपन्न हुई। कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राएं मनीषा गुर्जर और सोनिया वर्मा को इस यात्रा के लिए चयनित किया गया। श्री जी मंदिर से यात्रा का शुभारंभ हुआ। क्लब सदस्यों, स्कूल स्टाफ और परिजनों ने तिलक और माला से छात्राओं को विदाई दी। छात्राएं गंगापुर से दौसा तक कार से पहुंचीं। वहां से दिल्ली की यात्रा ट्रेन से की। दिल्ली में पालम रेलवे स्टेशन से टैक्सी द्वारा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचीं। इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली से जयपुर की यात्रा की।

सार-समाचार

मैसी का सर्विस कैम्प अब 30 तक

गंगापुर सिटी, (निसं)। मैसी फर्ग्युसन ट्रैक्टर के सवाई माधोपुर एवं करौली जिले के वितरक गहलोत ट्रैक्टर्स प्रा.लि. के तत्वाधान में मैसी ट्रैक्टरों का सर्विस कैम्प (आजादी की उमंग मैसी के संग) इन दिनों चल रहा है। किसानों का कैम्प के प्रति भारी उत्साह को देखते हुए कैम्प की अवधि 30 अगस्त तक बढा दी है। कैम्प में इन दिनों प्रतिदिन 15 से 20 ट्रैक्टर वर्कशॉप में सर्विस के लिये आ रहे है । इस सर्विस कैम्प में लेबर पर 50 प्रतिशत पार्टस एवं ऑयल पर 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। सर्विस कैम्प का लाभ मैसी ट्रैक्टर के किसान भाई हमारी सभी शाखाओ गंगापुर सिटी, करौली, हिण्डौन, सवाई माधोपुर, खण्डार पर उठा सकते है। ऑफर सीमित समय के लिये है,अत: सभी किसान भाई फ्री सर्विस कैम्प का अधिक से अधिक लाभ लेवे। कंपनी जनरल मैनेजर महेश सैनी ने बताया सर्विस कैम्प में ट्रैक्टरों के इन्जिन ओवरहॉल, गियर बॉक्स चैकिंग,लिफ्ट चैकिंग, डिफरेंसियल चैकिंग, फ्रन्ट एक्सल चैकिंग, स्टेयरिंग चैकिंग का कार्य कुशल मैकेनिकों द्वारा किया जावेगा। अत: ज्यादा से ज्यादा किसान भाई इस सर्विस कैम्प का लाभ उठाए।

सड़क हादसे में दो की मौत

करौली, (निसं)। करौली के सपोटरा क्षेत्र में कुडगांव मार्ग पर एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तरुण जादौन 20 और भंवरसिंह जादौन 25 के रूप में हुई है। दोनों बंदा की डोंगरी थाना सपोटरा के रहने वाले थे। घटना उस समय हुई जब चाचा-भतीजे मोटरसाइकिल से गंगापुर सिटी की ओर जा रहे थे।कुडगांव के पास अचानक सड़क पर आई नीलगाय से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर में दोनों सड़क पर गिर पड़े।स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों को राजकीय उप जिला अस्पताल सपोटरा पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।बंदा की डोंगरी में इस खबर से शोक छा गया। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर वन्यजीवों की आवाजाही से हादसों का खतरा रहता है, लेकिन सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

650 घरों से अवैध जंपर हटाये

करौली, (निसं)। विद्युत चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत निगम ने बड़ा अभियान चलाया। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता रूप सिंह गुर्जर और अधिशाषी अभियंता दिगम्बर दयाल मीना के निर्देशन में टीम ने कार्यवाही की। इस दौरान टीम ने शहर के ढोलीखार, मासलपुर गेट, मीना कॉलोनी, शिकारगंज और तांबे की टोरी समेत कई इलाकों में छापेमारी की। इन इलाकों में करीब 650 घरों से अवैध जंपर हटाए गए। विभाग ने कुल 8 वीसीआर भरकर 3.2 लाख रुपए की वसूली की।इस कार्यवाही में सहायक अभियंता ललित बाबर, कनिष्ठ अभियंता शहर-प्रथम मानवेन्द्र सिंह और शहर-द्वितीय एस.के. शर्मा शामिल थे। एपीटीपीएस थाना करौली की पुलिस टीम और तकनीकी स्टाफ ने भी सहयोग किया।सहायक अभियंता ललित बाबर ने कहा कि विद्युत चोरी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

महिलाओं ने किया प्रदर्शन

हिण्डौन सिटी, (निसं)। महू क्षेत्र में गंभीर नदी में जलदाय विभाग का बोरवेल डूब जाने से पिछले 40 दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप है। महूदलापुर, महू खास, तिघरिया रोड और दुर्गापुर गांव के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी की समस्या से त्रस्त महिलाओं ने खाली बर्तन लेकर विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों को मजबूरी में महंगे टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि हर बार बाढ़ में डूबने वाले बोरवेल को गंभीर नदी के बीच से हटाकर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थापित किया जाए।

डिग्गी कल्याणजी की पदयात्रा रवाना

हिण्डौन सिटी, (निसं)। सीताराम जी मंदिर परिसर से डिग्गी कल्याण जी महाराज की 19वीं पदयात्रा का शुभारंभ किया गया। आचार्य विष्णु शर्मा ने पूजा-अर्चना की और मंदिर के महंत सुरेश शर्मा ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

सार-समाचार

सीबीईओ मनोरमा यादव का स्वागत

बयाना/भरतपुर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के पदाधिकारियों ने मंगलवार को सीबीईओ बयाना के पद पर कार्य ग्रहण करने वाली मनोरमा यादव का प्रदेश सह संगठन महामंत्री बदनसिंह मीना, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य पुरूषोत्तम पाराशर के नेतृत्व में शाल उडाकर और माला पहनाकर व प्रतिमा देकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ब्लॉक अध्यक्ष बृज किशोर शर्मा ने बताया कि राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के ब्लॉक, जिला एवं प्रदेश के दर्जनों पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से सीबीईओ बयाना के पद पर कार्य ठाहण करने पर मनोरमा यादव, एसीबीईईओ प्रथम मंजू गुप्ता, एसीबीईईओ द्वितीय राम लखन खटाना, कोटपुतली ब्लॉक अध्यक्ष सियाराम संघ विजय सैनी , सीबीईओ मैडम के पति शार्दुलसिहंजी का शाल, माला, साफा व राधाकृष्ण की तस्वीर भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। सीबीईओ मैडम ने संघ को आश्वासन दिया कि हमेशा संगठन के पदाधिकारियों का मान सम्मान रखते हुए आपके द्वारा बताई गई समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने भी पूर्ण सहयोग करने का भरोसा दिया। इस मौके पर प्रदेश महासमिति सदस्य मानसिहं बंजारा, जिलाकार्यकारी अध्यक्ष डा. बिशंबर मीना, राजेश गुर्जर, बृजेन्द्र मीना, छैलविहारी शर्मा, हरपाल ठाकुर, अशोक भारद्वाज,मुकेश मीना, मुनेश बमनावत, अंजू जुनेजा, अनीता गुप्ता, प्रधानाचार्य अरविंद शर्मा,प्रधानाचार्य श्रीधर गुर्जर, नबलसिहं आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

लेबोरेट्री टेक्नीशियन संघ ने सौंपा ज्ञापन

करौली, (निसं)। संघ ने प्रदेश में जांचों के निजीकरण (हब एंड स्पोक मॉडल) के निर्णय को निरस्त करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त भवन और उच्च गुणवत्ता की मशीनें मौजूद हैं। लैब टेक्नीशियन समय पर जांच रिपोर्ट उपलब्ध करा रहे हैं। जांचों का निजीकरण आमजन को परेशान करेगा और सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ाएगा।पीएचसी से लेकर सीएचसी तक कई जांचों के लिए सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की जरूरत होती है। अधिकांश चिकित्सा केंद्रों में ऐसे डॉक्टर नहीं हैं। इससे मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ेगा। एमएनजेवाई और एमएनडीवाई योजना की निगरानी आरएमएससीएल के माध्यम से सफल रही है। नई व्यवस्था से सरकार पर दो से तीन गुना खर्च बढ़ेगा।संघ ने चेतावनी दी कि निजीकरण से युवाओं के रोजगार के अवसर कम होंगे। सरकारी मशीनों और भवनों का उपयोग कर मात्र कार्मिकों की भर्ती से व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। संघ ने याद दिलाया कि कोविड काल में सरकारी कार्मिकों ने निष्ठा से सेवा दी, जबकि निजी क्षेत्र ने इसे मुनाफे का अवसर बनाया। संघ ने जांचों के निजीकरण को जनविरोधी बताते हुए इसे रोकने की मांग की है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई कल

करौली, (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि 21 अगस्त को प्रात: 11:00 बजे से राजीव गांधी सेवा केन्द्र, कलक्ट्रेट परिसर के वीसी कक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं जिला जन अभियोग सतर्कता समिति की बैठक का आयोजन किया गया जाएगा।

जागरूकता शिविर का आयोजन

करौली, (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश ममता चौधरी के निर्देशन एवं अध्यक्ष जिला एवं सेशन न्यायाधीश माधवी दिनकर के आदेशानुसार मंगलवार को वृद्धाश्रम, जाखोदा (सपोटरा) में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर में उपस्थित बुजुर्गजनों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई, जिनमें बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम, नशा मुक्ति, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, पालनहार योजना, विधवा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन तथा नालसा एवं रालसा द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाएँ शामिल थीं।

दो जने गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थाना सदर पुलिस ने फजित्या रोड स्थित हिरामन के पास से आरोपी को एक देशी कट्टे के साथ पकडा।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नारायणपुर निवासी बत्तीलाल उर्फ पुखराज (5०) पुत्र जगदीश के रूप में हुई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा के पर्यवेक्षण में की गई।

थानाधिकारी बनी सिंह के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। टीम में हेड कॉन्स्टेबल रामजीलाल, कॉन्स्टेबल संजय और कॉन्स्टेबल विजय शामिल थे।

सम्मान समारोह का आयोजन

भरतपुर, (निसं)। कच्चा परकोटा नियमन संघर्ष समिति द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन कृष्णा पैलेस सहयोग नगर में किया गया।

समारोह की शुरुआत शिवानी दायमा जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी डॉ प्रेम सिंह कुन्तल जिलाध्यक्ष जाट महासभा, एवं समिति के संयोजक जगराम धाकड़ द्वारा गणेश जी के सामने दीप प्रज्वलित कर की गई। समारोह में शैलेश कौशिक प्रदेश प्रवक्ता बी जे पी, गिरधारी तिवारी पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, संजीव गुप्ता जिलाध्यक्ष भरतपुर जिला व्यापार महासंघ, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष रूपेन्द्र सिंह जघीना, डॉ दयाचंद पचौरी शहर अध्यक्ष कांग्रेस, धर्मेन्द्र शर्मा, गंगाराम पाराशर, पार्षद व कई सामाजिक संगठनों के जिलाध्यक्ष व पदाधिकारियों के साथ कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। समारोह में सभी उन संगठनों, व व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने इन कच्चे परकोटे वालों के लगभग 20-22 साल चले लम्बे आंदोलन में कहीं ना कहीं साथ दिया और सहयोग किया था और आंदोलन करने वाले की हौंसला अफजाई की थी। संघर्ष समिति के इंद्रजीत भारद्वाज, भागमल वर्मा, श्रीराम चन्देला, यदुनाथ दारापुरिया, बालकिशन कश्यप, भूरा भगत, सरदार बलवीर सिंह, राजेन्द्र शर्मा, राजेश गुप्ता, नरेश शर्मा, रमेश बाल्मीकि, कल्ला कश्यप, बंटी गुर्जर, किशन कश्यप, विष्णु, चिरोंजा देवी, निर्मला देवी, इन्द्रा देवी, वीरेश देवी, राधा इत्यादि एवं सभी सदस्यों द्वारा सभी सहयोगियों का सम्मान करने का निर्णय लिया गया । कार्यक्रम की शुरुआत में दीप प्रज्वलित करने के पश्चात इंद्रजीत भारद्वाज द्वारा स्वागत भाषण के बाद प्रतिवेदन का पठन किया मंच संचालन विपुल शर्मा एवं शैलेन्द्र पाराशर द्वारा किया गया एवं पधारे हुए सभी अतिथियों का सम्मान माला पटुका व स्मृति चिन्ह से किया गया। विशेष सम्मान श्रवण कुमार विश्नोई आयुक्त नगर निगम भरतपुर का सम्मान साफा, माला, दुपट्टा एवं प्रतीक चिंह, आभार पत्र भेंटकर किया गया।

रथ यात्रा को करौली मे किया स्वागत

करौली, (निसं)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्ति कुंज हरिद्वार द्वारा मनाए जा रहे अखण्ड दीप शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देश भर में निकाली जा रही दिव्य ज्योतिकलश रथ यात्रा के मासलपुर चुंगी करौली नगर प्रवेश पर स्थानीय गायत्री परिजनों ने भव्य अगुआनी की।

गायत्री परिवार के प्रवक्ता राजेन्द्र दीवान ने बताया कि मुख्य प्रबंध न्यासी बल्लभ पंसारी, शिक्षा अधिकारी व व्यवस्थापक सर्वेश कुमार गुप्ता, महिला मण्डल संयोजिका रेखा वर्मा, ट्रस्टी गोपाल सराफ, साबा राम मीना, अखिलेश गुप्ता, प्रमोद कंपाउंडर एवं गायत्री परिजनों ने अखण्ड दीप एवं दिव्य कलश का पूजन वंदन किया।दिव्य ज्योति कलश यात्रा का विश्व हिन्दू परिषद जिला अध्यक्ष चौरजी सिंह के प्रतिष्ठान पर पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। विहिप के धर्म प्रसार प्रमुख महामंडलेश्वर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा व प्रचार प्रसार प्रमुख नरेन्द्र सिंह टटवाई ने मंत्रो च्चार के साथ पूजन वंदन किया। विहिप के अतर सिंह, गजानंद शर्मा ने अंग वस्त्र पहना कर शांतिकुंज के प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह जादौन, बहादुर सिंह सोलंकी, नरेश जोशी आदि का स्वागत किया।इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शान्ति कुंज परिव्राजक जितेन्द्र सिंह जादौन ने गायत्री परिवार के मिशन की व्याख्या करते हुए बताया कि रथ यात्रा के माध्यम से गांव गांव में सद्प्रवृत्ति संवर्धन तथा कुरीति उन्मूलन के कार्यक्रम आयोजित कर घर घर में देव स्थापना, सुसंस्कारों का बीजारोपण, सामाजिक समरसता हेतु प्रेरित कर धर्म जागरण का कार्य किया जा रहा है।

सपोटरा के जवान का अभी तक नहीं लगा सुराग

करौली, (निसं)। उत्तराखंड के धराली में आई प्राकृतिक आपदा में करौली के जवान अजीत सिंह (20) पुत्र मलखान सिंह लापता हैं। 14 दिन बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा है। इससे परिजनों की चिंता बढ़ गई है।

घटना को लेकर सपोटरा विधायक हंसराज मीणा ने करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना सहित उत्तरकाशी जनपद कलेक्टर व आर्मी बेस शिविर हर्षिल के कैप्टन से फोन पर बात की है। जिस पर अधिकारियों ने बताया कि लापता लोग, सैनिकों और यात्रियों की खोज व बचाव के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। करौली के सपोटरा उपखण्ड की ठाम पंचायत भरतून के बुद्धपुरा गांव के जवान अजीत सिंह के भाई शंकर सिंह ने बताया: अजीत सिंह 14 राजपूताना राइफल्स में तैनात है। 5 अगस्त को उत्तराखंड जिले के उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में बादल फटने से आई प्राकृतिक आपदा के बाद से वह लापता है। 15 दिन बीत चुके है, लेकिन अजीत का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है।

अजीत ने 4 अगस्त की शाम को बड़ी बहन प्रियंका से फोन पर बात की थी। उसके दूसरे दिन यह हादसा हो गया। जवान के छोटे भाई अंकुर सिंह व मौसी के लड़के सुरेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि अजीत सिंह 4 जून को आर्मी ट्रेनिंग के बाद 15 दिन की छुट्टी लेकर गांव आया था। इसके बाद 20 जून को 14 राजपूताना राइफल्स आर्मी बैस कैंप हर्षिल (उत्तराखंड) में ड्यूटी ज्वाइन कर ली।

प्राध्यापक संघ रेसला ने सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

- प्राध्यापक संघ ने सत्र 2025-26 की प्रधानाचार्य डीपीसी समय पर करने की मांग की ।

गंगापुर सिटी, (निसं)। राजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ (रेसला) जिला शाखा गंगापुर सिटी के चारों उपखंडों पर राजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ की विभिन्न लंबित मांगों हेतु मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया।

राजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष रूपसिंह मीना ने बताया कि रेसला संगठन के राज्य व्यापी आंदोलन के आवाहन पर जिसमें दो वर्ष 2023-24, 2024-25 की 11 हजार पदों पर उप प्रधानाचार्य की बकाया डीपीसी काफी लंबे समय से लंबित है जिस समय पर पूर्ण करने के लिए, दो माह पूर्व प्रधानाचार्य पद पर लगभग 3800 प्रधानाचार्य की हुई डीपीसी पर यथास्थान जॉइनिंग करवा रखा है जबकि पूरे राजस्थान में प्रधानाचार्य के 40 प्रतिशत स्कूलों में पद रिक्त चल रहे हैं जिससे की शैक्षिक व्यवस्था भी बिगड रही है अत: मांग की जाती है कि जो अब काउंसलिंग की तिथि निर्धारित की गई है उस पर ही काउंसलिंग करवाई जाए, नव ऋमोन्नत विद्यालय में पिछले 2 साल से व्याख्याता के पद सृजन नहीं किए है संघ की मांग है कि अति शीघ्र लगभग 3800 व्याख्याता के पदों की स्वीकृति की जाए, सत्र 2025-26 की प्रधानाचार्य डीपीसी समय पर करने की मांग प्राध्यापक संघ ने की है। मांगो को लेकर गंगापुर सिटी ब्लॉक का ज्ञापन वजीरपुर उपखंड पर ब्लॉक अध्यक्ष हरिमन मीणा के नेतृत्व में, ब्लॉक नादौती में ब्लॉक अध्यक्ष शुगर सिंह के नेतृत्व में, ब्लॉक टोडाभीम में इंद्राज मीणा के नेतृत्व में एवं बामनवास में महेश मीना के नेतृत्व में सभी उप खंडों पर उप खंड अधिकारी को ज्ञापन सौपा गया।

इसी कडी में जिला अध्यक्ष रूप सिंह मीणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी को जिले का ज्ञापन दिया जाएगा। ज्ञापन के दौरान पूरे जिले से भारी संख्या में व्याख्याता सचिवालय परिसर में एकत्रित होकर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार एवं शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार से और विभाग से अपनी मांगों को समय पर पूरा करने की अपील करेंगे। वहीं राज्य व्यापी आंदोलन के तहत 21 अगस्त को संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य राज्यङ्क्त स्तरीय धरने हेतु बीकानेर शिक्षा निदेशालय के सामने धरने में शामिल होने के लिए जिला अध्यक्ष रूपसिंह मीना के नेतृत्व में लगभग 50 व्याख्याताओं का दल गंगापुर सिटी से रवाना होगा और धरने में भाग लेगा।

पश्चिम मध्य रेल

कोटा मंडल-सिविल इंजीनियरिंग (गति शक्ति यूनिट) ई-निविदा सूचना

भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल अभियंता (गति शक्ति यूनिट) पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा गति शक्ति यूनिट कोटा के लिए आमंत्रित है :- **टेन्डर संख्या**-जी.एस.यू.-कोटा-04-2025, **कार्य का विवरण**-कोटा-मथुरा सैक्शन-कन्सट्रैक्शन ऑफ 05 नम्बर्स रोड़ ओवर ब्रिज (आरओबी) इन ल्यू ऑफ एलसी नं. 148, 173, 200, 216 एण्ड 217 इन कोटा - मथुरा सैक्शन ऑफ कोटा डिविजन इन वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे। **कार्य की लागत**-1,72,05,31,095.14, **टेन्डर बन्द होने की तारीख**-15.09.2025 को। पूर्ण विवरण वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई-निविदा में तथा मंडल अभियंता (गति शक्ति यूनिट), मंडल रेल प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। ऑफर सिर्फ ई-निविदा के माध्यम से ही स्वीकार किये जायेंगे। ई-निविदा के अतिरिक्त ऑफ लाईन / मैनुअल ऑफर के माध्यम से टेन्डर स्वीकार नहीं किये जायेंगें। (हस्ता.)

मंडल अभियंता (गतिशक्ति यूनिट)/कोटा

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय-प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिण्डौन सिटी, जिला-करौली (राज.)

क्रमांक: रा.उ.मा.वि./हिण्डौन सिटी/20 दिनांक: 19-8-2025

नीलामी की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे अंकित नाकारा सामग्री की नीलामी की जानी है। इच्छुक जीएसटी धारक/फर्म/व्यक्ति निर्धारित तिथि में उपस्थित होकर अमानत राशि 2 प्रतिशत जमा कराकर नीलामी में भाग ले सते हैं।

क्र.सं.	सामग्री जिसी नीलामी	नीलामी योग सामग्री	नीलामी दिनांक
1	कार्यालय सामग्री	20246-12	29-8-2025
2	क्रीडा सामग्री	11004-00	29-8-2025
3	नि:शुल्क पाठ्य पुस्तके	381733-00	29-8-2025
4	भूगोल प्रयोगशाला सामग्री	62275-00	29-8-2025
	कुल योग	475258-12	

प्रधानाचार्य
पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
हिण्डौन सिटी, जिला-करौली (राज.)

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

667 आवास/फ्लैट्स की 5 नवीन आवासीय योजनाओं का शुभारम्भ

श्री झाबर सिंह खर्रा

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
नगरीय विकास एवं आवासन विभाग

के कर कमलों द्वारा

दिनांक: 20 अगस्त, 2025 | स्थान: आवास भवन, जयपुर

Flats At Dholpur, Phase III, Dholpur RAJ/P/2025/3996 | Houses At Atru, Phase II, Baran RAJ/P/2025/3971 | Houses At Nainwa Pocket A, Bundi RAJ/P/2025/4084 | Houses At Nainwa, Pocket B, Bundi RAJ/P/2025/4058 | Flats At Paneriyon Ki Madri, Phase I, Udaipur RAJ/P/2025/4065 | Houses At Barmer RAJ/P/2025/4145

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

योजना का नाम	जिला	आय वर्ग	स्वतंत्र आवास की संख्या	अनुमानित लागत (लाखों में)
नैनवा आवासीय योजना (SRS) - पॉकेट-A	बूंदी	एमआईजी-ए	9	32.35
		एलआईजी	12	22.15
		ईडब्ल्यूएस	23	11.05
नैनवा आवासीय योजना (SRS) - पॉकेट-B	बूंदी	घरोंदा	12	7.80
		ईडब्ल्यूएस	16	11.05
अटरू आवासीय योजना (SRS)	बारां	एचआईजी	13	51.10
		एमआईजी-बी	6	42.00
		एमआईजी-ए	31	31.40
		एलआईजी	89	21.50
		घरोंदा	50	7.60
लंगेरा आवासीय योजना (SRS)	बाड़मेर	ईडब्ल्यूएस	80	8.61
		एलआईजी	120	16.30

योजना का नाम	जिला	आय वर्ग	फ्लेट्स की संख्या	अनुमानित लागत (लाखों में)
बाड़ी रोड (SRS)	धौलपुर	ईडब्ल्यूएस (जी+3) फ्लैट्स	48	12.45 से शुरु
		एलआईजी (जी+3) फ्लैट्स	16	19.20 से शुरु
पनेरियों की मादड़ी (SRS)	उदयपुर	ईडब्ल्यूएस (जी+3) फ्लैट्स	80	11.68 से शुरु
		एलआईजी (जी+3) फ्लैट्स	62	15.00 से शुरु

आवेदन अवधि 20 अगस्त से 20 सितम्बर, 2025

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009
एवं मो. नं. 9461054291/92/319, 6376868696, 9460254319

वेबसाइट पर अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए स्कैन करें

आवेदन ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से

आवासन आयुक्त

राजस्थान संवाद

अग्निवीर सेना भर्ती में मेडिकल फिट कराने के नाम पर ठगी, दो जने गिरफ्तार

परिवादी के दाहिने पैर की चिटली उंगली में प्वाइंट था, जिसकी वजह से वह कई भर्तियों में रह चुका था, जिसके लिए ठगों ने एक लाख रुपए मांगे थे

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के आरआर कॉलेज ग्राउंड पर चल रही अग्निवीर सेना भर्ती के दौरान मेडिकल फिट कराने के एवज में एक लाख रुपए ठगी के मामले में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

अरावली विहार थाना एसएचओ ने बताया कि पीड़ित युवक मुनफेद खान निवासी आंधवाडी रेणी की मुलाकात जुनैद खान निवासी अलावाडा से हुई थी। जुनैद ने अपने साथी सुनील की जानकारी बड़े अफसरों से बताते हुए कहा कि मैं सेना भर्ती के मेडिकल टेस्ट में फिट करवा दूंगा। परिवादी मुनफेद के दाहिने पैर की चिटली उंगली में प्वाइंट था, जिसकी वजह से वो कई भर्तियों में रह चुका है, जिसके लिए एक लाख रुपए मांगे। पीड़ित ने 50 हजार रुपए पहले दे दिए और शेष भर्ती पूरी होने पर देने का वादा किया, लेकिन उसे हाइट में ही बाहर कर दिया। इसके बाद पैसे वापस मांगने पर आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने अग्निवीर सेना भर्ती के दौरान मेडिकल फिट कराने के एवज में ठगी के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया है।

अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि आर्मी भर्ती में एक गिरोह सक्रिय था। मेडिकल पास कराने को लेकर अभ्यर्थियों को अपने झांसे में लेता था, लेकिन एजेंसी सतर्क रही। पलवल हरियाणा के दो जनों को अरेस्ट किया है, जो मेडिकल फिट कराने के एवज में रकम लेते थे। आर्मी के अधिकारी की मिलीभगत सामने

- पीड़ित ने 50 हजार रुपए पहले दे दिए और शेष भर्ती पूरी होने पर देने का वादा किया, लेकिन उसे हाइट में ही बाहर कर दिया, इसके बाद पैसे वापस मांगने पर आरोपी फरार हो गए

नहीं आई। ये खुद ही गुमराह करते थे। अभी दो लोग लेकर आए हैं। उनके मोबाइल का डेटा से पता कर जांच में लगे हैं। अभ्यर्थियों को किसी के झांसे में नहीं आना चाहिए।

ठगी को लेकर पीड़ित ने अरावली विहार थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जुनैद खान और सुनील को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

अस्पताल में मरीज की मौत पर परिजनों का हंगामा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के अ श्रेणी प्राप्त महात्मा गांधी चिकित्सालय में एक मरीज की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया।

जानकारी के अनुसार गुमान सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी खामोर, रामपुर थाना शाहपुरा को दो दिन पूर्व मेल मेडिकल वार्ड में हार्ट की बीमारी के चलते भर्ती करवाया गया था।

- चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया, पीएमओ ने समझाइश कर मामला शांत कराया

मंगलवार को इलाज के दौरान 70 वर्षीय गुमान सिंह की मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया, जिसके चलते एमजी हॉस्पिटल में कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया।

हंगामे की सूचना पर पीएमओ डॉक्टर अरुण गौड़ मौके पर पहुंचे और समझाइश के प्रयास किए कुछ देर की समझाइश के बाद मामला शांत हो पाया।

भीलवाड़ा में आयकर का सर्वे लगातार जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा में आयकर का सर्वे लगातार जारी है। अबकी बार शहर की नई कॉलोनी में आयकर टीम का सर्वे हुआ है। शहर के गुर्जर मोहल्ला क्षेत्र में विभागीय टीमों ने सर्वे शुरू किया है। महेश त्रिवेदी उर्फ एमटी नाम के व्यापारी के ठिकाने पर सर्वे चल रहा है।

जानकारी के अनुसार हालांकि सर्वे से पूर्व ही व्यापारी के फरार होने की सूचना मिल रही है। विभागीय टीम ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यही नहीं आयकर की रडार पर भीलवाड़ा के कई नामचीन लगातार आ रहे हैं। यहां तक कि शहर के 100 से ज्यादा लोगों को इनकम टैक्स का नोटिस भी मिलने की सूचना है। नोटिस के बाद लोगों में हड़कंप मचा हुआ है।

कार्यालय नगर पालिका अन्ता जिला बारां (राज0)
कोटा बारां रोड, अन्ता 325202 दूरभाष-07457-244404 फैक्स-244404 Email : antanagarpalika@gmail.com, nagarpalikaanta1@gmail.com
क्रमांक : न.पा.अ./निर्माण/2025-26/130-133 दिनांक:- 14/08/2025
ई-निविदा सूचना- 11/2025-26
नगर पालिका अन्ता द्वारा निर्माण संबधित कार्य हेतु विभिन्न विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र लोक उपापन की वेबसाईट http://Sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें।
NIB No – DLB2526A4780
UBN No– DLB2526WSOB14817
UBN No– DLB2526WSOB14818
राज.संवाद/सी/25/8351
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका अन्ता

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड प्रथम, जयपुर
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 फोन-0141-2229737
क्रमांक-1133 दिनांक-07.08.2025
ई-निविदा सूचना संख्या-39/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत कोटपूतली-बहरोड़ जिले में रू. 190.60 लाख के 2 सिविल कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, www.sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthva.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN- 1. NRH2526WSOB00864 2. NRH2526WSOB00866
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
खण्ड प्रथम, जयपुर
DIPR/C/11523/2025

सायबर ठगों ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप से विंग कमाण्डर से 1.12 करोड़ की ठगी की

पीड़ित ने सायबर सेल और एनसीआरपी पर शिकायत दर्ज कराई

सूरतगढ़, (निसं)। साइबर ठगों ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए एक विंग कमांडर से 1.12 करोड़ रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने अलग-अलग तारीखों पर पैसे ट्रांसफर कराकर वारदात को अंजाम दिया। शक होने पर पीड़ित ने साइबर सेल और एनसीआरपी पर शिकायत दर्ज कराई। कार्रवाई करते हुए साइबर पुलिस ने 7 लाख रुपए होल्ड कराए और अन्य खातों की जानकारी मांगी है।

श्रीगंगानगर साइबर सेल डीएसपी कुलदीप वालिया ने बताया वायुसेना के सूरतगढ़ एयर बेस स्टेशन पर तैनात 55 हेलिकॉप्टर यूनिट के विंग कमांडर रॉबिन सेबेस्टियन साइबर ठगों के जाल में फंस गए। ठगों ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप के

- सायबर पुलिस ने 7 लाख रुपए होल्ड कराए और अन्य खातों की जानकारी मांगी

जरिए उनसे 1 करोड़ 11 लाख 82 हजार 500 रुपए ठग लिए। श्रीगंगानगर साइबर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 7 लाख रुपए होल्ड करवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ठगी की शुरुआत 10 जून 2025 को हुई जब विंग कमांडर ने '55 शून्या ग्रोथ क्लब' नामक वॉट्सऐप ग्रुप ज्वाइन किया। ग्रुप में ट्रेडिंग टिप्स और आकर्षक निवेश योजनाओं की जानकारी दी जाती थी। 7 जुलाई को एक लिंक साझा किया गया जिसे डाउनलोड कर विंग कमांडर ने फर्जी ऐप इंस्टॉल किया और ठगों के संपर्क में आए। 10 जून से 8 अगस्त तक उन्होंने सूरतगढ़ की एसबीआई शाखा से कई बैंकों के खातों में राशि ट्रांसफर की। इनमें 18 जुलाई को 4 लाख, 28 जुलाई को 4 लाख, 29 जुलाई को 9 लाख, 31 जुलाई को 5 लाख, 2 अगस्त को 34 लाख, 6 अगस्त को 15 लाख, 7 अगस्त को 35 लाख और 8 अगस्त को 5 लाख 82 हजार 500 रुपए शामिल हैं। 13 अगस्त को राशि निकालने की कोशिश पर ठगों ने 42 लाख 96 हजार 603 रुपए अतिरिक्त जमा करने की मांग की, जिससे ठगी का शक हुआ। विंग कमांडर ने तुरंत बैंक मैनेजर को सूचित किया। आरटीजीएस रद्द करने के लिए ईमेल किया और साइबर सेल में शिकायत दर्ज की। 14 अगस्त को एनसीआरपी पोर्टल (नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल) पर भी शिकायत की गई।

डीएसपी कुलदीप वालिया के नेतृत्व में साइबर पुलिस ने 7 लाख रुपए होल्ड करवाए और अन्य खातों की जानकारी मांगी। पुलिस इंस्पेक्टर रमेश कुमार न्यौल इस समूचे मामले की जांच कर रहे हैं। डीएसपी वालिया ने हैरानी जताई कि शिक्षित और जिम्मेदार लोग भी ऐसे जाल में फंस रहे हैं। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत शिकायत करने करने की अपील की।

संस्कृत विषय की मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत संस्कृत विषय के पदों हेतु पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षांतर्गत 7 मई 2025 को संस्कृत विषय के लिए जारी विचारित सूची में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत उक्त विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 79 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

किसान की मौत

निवाई, (निसं)। गांव भगवतपुरा में बकरियां चराते समय एक किसान की विषैला कीड़ा काटने से मौत हो गई। दत्तवास थानाधिकारी कालूराम मीणा ने बताया कि किसान कन्हैयालाल (42) पुत्र रामनिवास मीणा निवासी भगवतपुरा मंगलवार को अपने खेत पर बकरियां चराने गया था। इस दौरान वहां विषैले कीड़े ने उसे काट लिया, जिससे वह अचेत हो गया, जिस पर आसपास के लोग उसके पास पहुंचे और परिजनों व दत्तवास पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और चरवाहे को निवाई उपजिला अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN)- U40109RJ2000SGC016482
Regd. Off.: Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer- 305 004.
(TURN-KEY WORKS CIRCLE), Phone: +91-145-2644507, E-mail :- setwavvnl2022@gmail.com
No. AVVNL/SE (TW) /XEN (TW-I)/AEN (TW-IV)/NIT /TN-455(Lot-1 to 10)/LRC/D.873 Date : 12/08/2025
NIT No/ PACKAGE No. :- AJD/SE/TW/TN-455
(Lot - 1, 2, 3, 4, 5,6,7,8, 9 &10)
'E Bids in two parts (Techno Commercial bid and Price Bid) are invited from eligible contractors for short term NIT against package nos. AJD/ SE/ TW/TN-455(Lot-1, 2, 3, 4,5,6,7,8,9&10)for awarding contract of construction of various 33/11 KV GSS and associated 33 and 11 KV line& Erection of 33 KV line on Labour Rate for Ajmer/Banswara / Bhilwara/ Chittorgarh/Deedwana-Kuchaman/ Dungarpur / Nagaur.
All the details regarding tender is available at our website http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl and www.eproc.rajasthan.gov.in. Further in future corrigendum/extension, if any shall be published only at www.eproc.rajasthan.gov.in.
UBN No.: AVV2526WSOB00278
Raj.Samwad/C/25/8372
Superintending Engineer (TW)
AVVNL, Ajmer

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR
(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2025-26/D-2346 दिनांक :- 13/08/2025
ई-निविदा सूचना सं. 21/2025-26
निम्न कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार एक वर्ष की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में क्रम संख्या 1 से 23 तक के कार्यों की निविदा एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 681.78 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	14 अगस्त 2025 प्रातः 9.30 बजे से 25 अगस्त 2025 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	25 अगस्त 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	26 अगस्त 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।
UBN No. : RID2526WSOB00222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244
महाप्रबन्धक
राज.संवाद/सी/25/8392
राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)
(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड - 306401)
(टेली-फैक्स : 02932-221301, ई-मेल : cmcpali@yahoo.co.in,वेब-साईट: www.mcpali.com)
क्रमांक प. 07 ( )गृहकर नगरीय विकास कर/2025/206 दिनांक 13.08.2025
ई-निविदा संसोधन सूचना
नगर निगम पाली द्वारा "Selection of bidder for implementation of GIS enabled cloud based property tax information management system (PTIMS),maintenance of system and collection of property tax(UD Tax) and other revenue as mutully agree upon ,including issuance of notices & bills with technical hand held support in GIS Mapping and updating demand ,collection, registers and maintenance of House tax record etc. for next 5 years as detailed in E-tender RFP documents on revenue sharing model" के लिये जारी ई- निविदा क्रमांक प. 169 दिनांक 23.07.2025 के प्री बिड मिटिंग पश्चात् तकनिकी बोली शर्ते में किये गए परिवर्तन संबंधित जानकारी एवं निविदा की विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है साथ ही निवीदा संबंधित तिथियो में निम्नानुसार परिवर्तन किया जाता है :-

1.	निविदा लागत	80 लाख रूपये
2.	निविदा शुल्क	2000 रूपये
3.	ई-प्रोसेसिंग शुल्क	2000 रूपये
4.	धरोहर राशि	160000 रूपये
5.	निविदा ऑनलाईन भरने की अन्तिम तिथि	29.08.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
6.	निविदा डी.डी एवं दस्तावेज जमा कराने हेतु की अन्तिम तिथि	29.08.2025 शाम 5.00 बजे तक
7.	तकनिकी बिड खोलने की तिथी	01.09.2025 दोपहर 3.00 बजे से

यू.बी.एन. नम्बर DLB2526SLOB12377
राज.संवाद/सी/25/8210
आयुक्त
नगर निगम, पाली

बैट्री चुराते युवक को दबोचा

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर क्षेत्र में नाकोड़ा भैरव कंस्ट्रक्शन कंपनी के रोलर से बैट्री चुराते एक युवक को कंपनी संचालक व क्षेत्रवासियों ने रंगे हाथ दबोच लिया और आदर्शनगर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस युवक से पूछताछ में जुटी है। नसीराबाद रोड आदर्श नगर स्थित शालीमार कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे नाकोड़ा भैरव कंस्ट्रक्शन कंपनी का रोलर खड़ा हुआ था। उक्त रोलर में से एक युवक ने बैट्री को खोल और उसके कुछ टूल खोल कर चोरी करने लगा। सीसीटीवी कैमरे में रोलर के पास संदिग्ध गतिविधि देखते हुए इसकी सूचना कंपनी संचालक को मिली तो वे मौके पर कॉलोनीवासी कुछ लोगों को लेकर पहुंचे और चोर को मौके पर ही घेर कर रंगे हाथों दबोच लिया। चोर मौके पर एक्टिवा लेकर आया था, कॉलोनीवासियों ने पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाकर युवक और एक्टिवा को जब्त कर थाने ले गई।

पत्नी व साले से परेशान व्यक्ति ने सुसाइड किया

भरतपुर, (निसं)। उच्चैन थाना इलाके में एक व्यक्ति ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। व्यक्ति ने मरने से पहले सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली थी, जिसमें उसने बताया कि मेरी पत्नी और मेरा साला मुझे परेशान करते हैं। इसलिए मैं आत्महत्या कर रहा हूं। फिलहाल पुलिस मामले को लेकर जांच कर रही है। थाने के हेड कांस्टेबल ब्रह्मस्वरूप ने बताया कि पति-पत्नी में

- जहर खाने से पहले सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट, साला जान से मारने की धमकी दे रहा था

झगड़े के चलते पति विष्णु (30) निवासी सहना ने 17 अगस्त की रात को जहर खा लिया। जैसे ही इसके बारे में उसकी पत्नी को पता लगा तो, उसने शोर मचाया जिसके बाद आसपास के लोग उसके घर पहुंचे और तुरंत विष्णु को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां विष्णु की इलाज के दौरान मौत हो गई। विष्णु के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया था।

बाद में पता लगा की विष्णु ने जहर खाने से पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट डाली थी। जिसमें उसने लिखा था कि, मैं पूरे होश हवास में लिख रहा हूं कि अलीपुर निवासी रणवीर चौधरी पिता रामगोपाल मुझे परेशान एवं धमकी दे रहे हैं। तुझे देख लेंगे और मारने की धमकी दे रहे हैं। मेरी पत्नी आये दिन मेरे ऊपर इल्जाम लगाती है कि तेरा चाची और भाभी से अफेयर चल रहा है, इसलिए आज मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं। अभी तक पुलिस को इस बारे में किसी ने शिकायत नहीं दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग छात्रा ने आत्महत्या की

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के अटल बंद थाना इलाके में एक 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग ने सुसाइड कर लिया। सुबह चार बजे जब नाबालिग के परिजन उसके कमरे गए तो, उन्होंने नाबालिग के शव को पंखे के कुंडे से लटका देखा। नाबालिग के परिजनों ने आरोप लगाया है कि एक युवक हमारी बेटी को उसके अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने के नाम पर धमकियां दे

- आरोप है कि एक युवक अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था

रहा था। कोतवाली थाना अधिकारी हेमेंद्र सिंह ने बताया कि अटल बंद थाना इलाके में एक नाबालिग बच्ची ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना हमें कंट्रोल रूम से मिली थी। उसके शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया है। नाबालिग के परिजनों ने एक व्यक्ति पर आत्महत्या के दुष्प्रेरण का आरोप लगाया है। मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। नाबालिग के परिजनों ने पुलिस को एफआईआर देते हुए बताया कि हमारी नाबालिग बेटी की उम्र 16 साल थी। स्कूल के समय में उसकी मुलाक़ात एक युवक से थी। युवक ने हमारी बेटी के अश्लील फोटो वीडियो बना लिए थे। जिन्हें वायरल करने की धमकी देकर युवक नाबालिग से मनचाहे काम करवाता था। वह उसे आये दिन परेशान करता था, जिससे नाबालिग ने फांसी लगा ली।

बनास नदी में बजरी के अवैध खनन मामले में अधिकारियों ने चुप्पी साधी

प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा बीगोद कस्बे में खटवाड़ा की बजरी लीज के लिए पर्यावरण स्वीकृति जनसुनवाई आयोजित

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखंड के बीगोद कस्बे में बजरी लीज पर्यावरण स्वीकृति के लिए जनसुनवाई राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल भीलवाड़ा द्वारा आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों ने जिला एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में बनास नदी में बेतहाशा हो रहे अवैध खनन और नदी के स्वरूप बिगड़ने को लेकर शिकायतें की, लेकिन ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान और कार्रवाई पर अधिकारी चुप्पी साधे रहे और कई ग्रामीणों ने बजरी लीज स्वीकृति पर आपत्ति जताई।

जनसुनवाई में भीलवाड़ा अतिरिक्त कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा, राज्य प्रदूषण मंडल भीलवाड़ा के अधिकारी, मांडलगढ़ उपखंड अधिकारी मनमोहन शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक बाबूलाल विश्नोई, तहसीलदार बसंत कुमार पांडे और बीगोद थानाधिकारी जय सुल्तान की मौजूदगी में भाजपा नेता सलाउद्दीन ने आरोप लगाया कि बनास नदी में लम्बे वक्त से बजरी का अवैध खनन किया जा रहा है, जिससे नदी का स्वरूप बिगड़ गया है। नदी में गहरी खाई खोदकर भूजलस्तर को गड़बड़ कर दिया गया है। रोजाना पुलिस की निगरानी में सड़कों

मांडलगढ़ के बीगोद कस्बे में प्रदूषण नियंत्रण मण्डल व प्रशासन के अधिकारियों ने जन सुनवाई की।

- ग्रामीणों ने अधिकारियों की मौजूदगी में बनास नदी में बेतहाशा हो रहे अवैध खनन और नदी के स्वरूप बिगड़ने को लेकर शिकायतें की
- आरोप है कि बनास नदी में लम्बे वक्त से बजरी का अवैध खनन किया जा रहा है, जिससे नदी का स्वरूप बिगड़ गया है

पर अवैध बजरी भरे वाहन दौड़ रहे हैं, गांवों की सड़कों को जर्जर कर दिया गया है। बनास नदी में भीलवाड़ा की फैक्ट्रियों से काला पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे पानी नहाने लायक भी नहीं रहा है। जिम्मेदार अफसरों की मॉनिटरिंग के अभाव में बनास नदी में पट्टाधारी लोगों द्वारा भी नियम की पालना सुनिश्चित करना सम्भव नहीं लग रहा है, इसलिए बजरी लीज को पर्यावरण स्वीकृति नहीं दी जानी चाहिए।

जनसुनवाई में सामाजिक कार्यकर्ता मुनीर लौहार ने बताया कि पूर्व लीज धारकों और उसके बाद खनन माफिया ने बनास नदी को विनाश के कगार पर लाकर छोड़ दिया है। फोकलेन, जेसीबी मशीनों से काफी गहराई तक बजरी का बड़े पैमाने पर अवैध खनन बदस्तूर अभी जारी है। नदी के आसपास बड़ी मात्रा में बजरी के अवैध स्टॉक संचालित किए जा रहे हैं। रोजाना बडलियास, बीगोद और काछोला थाना क्षेत्र की बनास नदी से करीब 300 ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बजरी भरकर मांडलगढ़, बिजौलियां और बेगूं की ओर सप्लाई की जा रही है। मुनीर लौहार ने बताया कि बजरी माफिया मंहगे दामों में बजरी को बेच रहा है, जिसमें पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता हैं। खनन माफिया ने बनास नदी की बजरी को इतनी महंगी कर दी है कि आम लोगों के खरीद के बाहर हो गई है। घर बनाना मुश्किल होता जा रहा है।

लौहार ने जन सुनवाई में मांग की है कि बीगोद के खटवाड़ा में और अन्य जगह बनास नदी में बजरी लीज स्वीकृत होकर नियमानुसार खनन किया जाता है तो आम लोगों के आशियाने बनाने में सस्ती बजरी उपलब्ध हो पाएगी।

वहीं बनास नदी के बिगड़े स्वरूप और अंधाधुंध बजरी के अवैध खनन की शिकायत पर प्रशासन के अधिकारी चुप्पी साधे रहे और ग्रामीणों उचित कार्रवाई अथवा समाधान का आश्वासन तक नहीं दे सके। इस मामले को लेकर ग्रामीणों प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के प्रति आक्रोश जताया है।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
बाड़मेर -344001, दूरभाष :- 02982-220674
अल्कालिक ई-निविदा सूचना
अन्य विवरण जैसे निविदा मुलय, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।
सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-22	('ए) मुकने का तला के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस मुकनेका तला के लिए 7.30 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) बाड़मेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन ग्रामीण बाड़मेर में मुकने ला तला जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 4.32 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00426
TN-24	('ए) जाजुसन के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस जाजुसन के लिए 0.5 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जालोर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन सांचोर में जाजुसन जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 5.00 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00435

राज.संवाद/सी/25/8378
संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

"हरियालो राजस्थान" अभियान में 10 करोड़ पौधे लगाने का ऐतिहासिक लक्ष्य पूरा हुआ : मुख्यमंत्री

राजस्थान को हरा-भरा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर । 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाए जाने के ऐतिहासिक लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने हरियालो राजस्थान के तहत पोस्टर विमोचन किया तथा वन मंत्री ने मुख्यमंत्री को पौधा भी भेंट किया।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से वन मंत्री संजय शर्मा ने मुलाकात कर हरियालो राजस्थान अभियान को लेकर बधाई दी।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर, हमारी सरकार ने राजस्थान को हरा-भरा बनाने का संकल्प किया है। इसके तहत राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के पर्व पर मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत 'हरियालो राजस्थान' का शुभारंभ किया था।

हमारा लक्ष्य है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण किया जाए। इस अभियान के तहत पौधों की जियो टैगिंग कर उनकी सुरक्षा एवं देखभाल सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष हमारा 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था, जिसे पूरा कर हमने 7 करोड़ 50 लाख पौधे लगाए थे। उन्होंने कहा कि इस साल भी हमारा 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य था और सभी के सामूहिक प्रयासों से हमने इस लक्ष्य को पार कर लिया है तथा अब तक 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा काल अभी चल रहा है, ऐसे में विभाग इस अभियान के तहत लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।

शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धिप्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

पौधरोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की अपील की।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत अब तक 37 लाख 51 हजार पौधे व्यक्तिगत स्तर पर तथा 9 करोड़ 83 लाख पौधे ब्लॉक स्तर पर लगाए गए हैं। करीब 20 लाख हेक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया। साथ ही, 2 लाख 74 हजार 920 पौधारोपण साइट्स पर 10 करोड़ 21 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। अभियान के तहत शिक्षा विभाग द्वारा 3 करोड़ 25 लाख, ग्रामीण विकास द्वारा 2 करोड़ 65 लाख, वन विभाग द्वारा 2 करोड़, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 50 लाख सहित विभिन्न विभागों द्वारा पौधारोपण किया गया है।

मार्च में शुरू होगा कार्डियक टॉवर, आयुष्मान टॉवर में होंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं : खींवसर

हॉस्पिटल मैनेजमेंट पर होगा विशेष फोकस : चिकित्सा मंत्री

जयपुर । प्रदेशवासियों को आगामी समय में विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। इसके लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में निर्माणाधीन आयुष्मान टॉवर के काम को गति दी जाएगी और हाई एण्ड सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसी प्रकार कार्डियक टॉवर का काम जल्द पूरा करते हुए इसे 30 मार्च से शुरू किया जाएगा। साथ ही, सवाई मानसिंह अस्पताल में आपातकालीन इकाई का विस्तार करते हुए इसे अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इन कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में हर माह समीक्षा बैठक होगी।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगवालर को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अधिकारियों की बैठक ली।

मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगवालर को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में इस संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आयुष्मान टॉवर, कार्डियक टॉवर एवं आपातकालीन इकाई के विस्तार कार्यों की गहन समीक्षा की और इन सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को जल्द पूर्ण किया जाए, लेकिन गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं हो। हमारा लक्ष्य इन सुविधाओं को सिर्फ जल्द शुरू करना ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रदेश के लोगों को इनका पूरा लाभ मिले और इनका निर्माण हाई एण्ड टेक्नोलॉजी और सभी सुविधाओं के साथ हो।

खींवसर ने कहा कि आयुष्मान टॉवर की प्लानिंग में रही खामियों को चिन्हित करने के बाद अब राज्य सरकार ने इसे पूर्ण करने के लिए आवश्यक वित्तीय प्रबंधन किया है। अधिकारी यह ध्यान रखें कि इसके कार्य में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इसको विश्वस्तरीय रूप देने के लिए आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञों की राय एवं सेवाएं लें। इस भवन में स्वास्थ्य सुविधाओं का स्तर बनाए रखने के लिए हॉस्पिटल प्रबंधन पर विशेष रूप से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में किसी भी स्तर पर कोई बाधा या वित्तीय समस्याएं हों और तुरंत अवगत कराएं।

चिकित्सा मंत्री ने कार्डियक टावर के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसके भवन का कार्य पूरा करने के साथ ही उपकरणों की खरीद एवं इंस्टॉलेशन का काम भी जल्द पूरा करें। यह सुनिश्चित करें कि 30 मार्च, 2026 से इसे प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने सवाई मानसिंह अस्पताल में चल रहे आपातकालीन इकाई के विस्तार कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान इमरजेंसी इकाई अस्पताल में आने वाले मरीज भार को देखते हुए काफी छोटी है। इसका विस्तार करने के साथ ही इसे अत्याधुनिक एवं रोगियों के लिए सुविधाजनक बनाया जाए, ताकि आपातकालीन स्थितियों में ज्यादा से ज्यादा मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि आयुष्मान टॉवर को विश्व स्तरीय रूप देने के लिए इसमें उपलब्ध करवाई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं पर निरंतर विचार-विमर्श चल रहा है। साथ ही, इसका प्रबंधन भी बेहतरीन हो, इसके लिए विशेषज्ञों से सलाह ली जा रही है, ताकि इसका संचालन प्रारंभ होने के बाद किसी तरह की समस्याएं नहीं आएं। उन्होंने कार्डियक टॉवर एवं आपातकालीन इकाई की प्रगति से भी अवगत कराया।

इस अवसर पर सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, अतिरिक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा मुकेश कुमार, उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा, आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फाउंटेन स्क्वायर पार्क : राजस्थान में पुरातन और आधुनिक स्थापत्य कला का अनूठा संगम

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शहरी विकास के क्षेत्र में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है तथा यह क्षेत्र विकास के नए शिखर छू रहा है। प्रदेश में शहरी विकास आधुनिक सौंदर्यशास्त्र,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शहरी विकास छू रहा नए आयाम**
- **इस पार्क में आधुनिक सुविधाओं युक्त प्रदर्शनी ग्राउण्ड और एम्फीथियेटर है, जो कि सस्टेनेबल विकास का एक मॉडल है।**

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सार्वजनिक सुविधा का एक अनूठा संगम दर्शाता है।

राजधानी जयपुर की नई विकास यात्रा में भी यहां की पारम्परिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ आधुनिक आधारभूत ढांचे का अनूठा मेल है। राज्य सरकार ने आमजन को फाउंटेन स्क्वायर परियोजना के रूप में अविस्मरणीय तोहफा दिया है। जयपुर शहर के मानसरोवर क्षेत्र में वी.टी. रोड और अरावली मार्ग के बीच बसा और हरे-भरे सिटी पार्क से सटा, यह विश्व स्तरीय प्रोजेक्ट 16 बीघा (40हजार वर्ग मीटर) क्षेत्र में फैला है। यहां बीचों बीच बना म्यूजिकल फाउण्टेन पानी की स्क्रीन पर लेजर शो के साथ मंत्रमुग्ध करने वाली 3डी इमेजरी में राजस्थानी संस्कृति की कहानियां सुनाता है। यहां

दो एम्फीथियेटर भी हैं। 40 करोड़ की लागत से निर्मित यह परियोजना न केवल एक कलात्मक कृति है, बल्कि शहरी बुनियादी ढांचे में एक बेंचमार्क है।

इस परियोजना के केंद्र में सेंट्रल म्यूजिकल फाउंटेन है, जहां हर शाम 7से 8 बजे तक संगीत और रोशनी के साथ पानी की स्क्रीन पर लेजर शो पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनता है। इसके साथ ही, यह मंत्रमुग्ध करने वाली 3डी इमेजरी में राजस्थानी संस्कृति की कहानियांभी सुनाता है।यह फाउंटेन चार सफेद संगमरमर की शेर की मूर्तियों से घिरा हुआ है, जो शक्ति और गौरव का प्रतीक है। धौलपुर पत्थर की बनी हुई कलात्मक छतरियां और बारीकी से डिजाइन किये गए मेहराब इस स्थान को शाही एहसास देते हैं। एक ऊंचे मंच के ऊपर एक छोटा अंग्रेजी फाउंटेन यूरोपीय शैली की झलक दिखाता है, जो परंपरा और आधुनिकता का एक सहज मिश्रण है।

फाउंटेन स्क्वायर के बगल में प्रदर्शनी ग्राउंड है, जो 9 हजार वर्ग मीटर में फैला हुआ है, जिसमें एक भव्य मंच, हरित स्थान, 550 लोगों के बैठने की जगह, रिसेप्शन, कार्यालय स्थान, लॉकर और शौचालय निर्मित हैं। साथ ही, कलाकारों के लिए सुविधायुक्त ग्रीन रूम भी बनाया गया है। यहां आने वाले पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सोच-समझकर वास्तुशिल्प पर काम किया गया है।यहां दो एम्फीथिएटर भी बनाये गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में 500 आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था है। इसके अलावा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग आधुनिक शौचालय, फ़ूड कोर्ट, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, पर्याप्त पार्किंग और सुंदर टिकट खिड़कियां सभी आयु समूहों के लिए सुविधा और आराम सुनिश्चित करती हैं।

दीर्घकालिक विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता के अनुरूप यहां एक समर्पित 2.0 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया गया है। इस सुविधा से उपचारित ग्रे पानी का उपयोग फाउंटेन स्क्वायर और निकट स्थित सिटी पार्क की सिंचाई के लिए किया जा रहा है।फाउंटेन स्क्वायर और प्रदर्शनी ग्राउंड बेहतरीन इंजीनियरिंग का खूबसूरत उदाहरण हैं। दोनों के संरचनात्मक डिजाइन आधुनिक भूकंपरोधी और अग्निशमन प्रणालियों से लैस हैं।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को दी मंजूरी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे को मंजूरी देने के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट मील का पत्थर साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है और हवाई सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निर्माण से प्रदेश में ना केवल पर्यटन को गति मिलेगी अपितु शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति भी मिल सकेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने 1 हजार 507 करोड़ की अनुमानित लागत से कोटा-बूंदी में ग्रीनफील्ड हवा अड्डा विकसित करने के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआ) के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस ग्रीनफील्ड हवा अड्डे में यात्रियों की विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेगी। परियोजना के अनुसार यहां ए-321 श्रेणी के विमानों का संचालन किया जाएगा।वहीं, 20,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा, जो व्यस्त समय के दौरान 1000 यात्रियों (पीएचपी) को संभालने में सक्षम होगा और जिसकी प्रति वर्ष यात्री वहन क्षमता बीस लाख (एमपीपीए) होगी।

उपमुख्यमंत्री ने विजेताओं को सम्मानित किया

जयपुर। जयपुर सिल्वर एसोसिएशन की ओर से पारिवारिक स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माधोगढ़, सीकर रोड राजावास में रखा गया। कार्यक्रम के दौरान कपल गेम, चिल्ड्रन गेम, स्विमिंग, क्रिकेट, तंबोला हाउसी और लाइव बैंड जैसी गतिविधियां हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा थे। एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल अग्रवाल (डेरेवाला) ने बताया कि यह आयोजन पारिवारिक मेलजोल और आपसी सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में डॉ प्रेमचंद बैरवा ने विभिन प्रतियोगियों को सम्मानित किया।

इस मौके पर स्नेह मिलन कार्यक्रम के संयोजक अशोक माहेश्वरी, सुरेश जैन, सुनील अग्रवाल, राजेश राणा, अभिषेक गोयल, सत्यनारायण बंसल, राजकुमार सोनी, मनीष खूटेटा, मनोज पंसारी, विशाल सोनी (विक्की) और राकेश बब्बर, एसोसिएशन के अध्यक्ष उपाध्यक्ष अभिनीत बूचरा और अभिषेक बंसल, सचिव राहुल गंगवाल (जैन) कोषाध्यक्ष दीपेश गोयल,उपस्थित रहे।

एल.आई.सी. की लैप्स पॉलिसियां पुनर्जीवित हो सकेंगी

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) ने अपनी लैप्स पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने के लिए आकर्षक प्रस्ताव पेश किया है। व्यक्तिगत लैप्स पॉलिसियों के लिए 18 अगस्त से 17 अक्टूबर तक विशेष पुनरुद्धार अभियान शुरू किया गया है। योजना के अंतर्गत पुनरुद्धार के लिए पात्र होने पर सभी गैर लिंक्ड बीमा योजनाओं के लिए विलंब शुल्क में 30 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। जो कि अधिकतम 5 हजार रुपये तक होगी। इस अभियान के तहत पॉलिसी के नियमों और शर्तों को पूरा करने

- **18 अगस्त से 17 अक्टूबर तक चलाया जायेगा विशेष पुनरुद्धार शिविर**

के अधीन, प्रथम अवैतनिक प्रीमियम की तिथि से 5 वर्षों के भीतर की पॉलिसियों को पुनर्जीवित किया जा सकता है। जो पॉलिसियां प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान समाप्त हो गई है तथा जिनकी पॉलिसी अवधि पूरी नहीं हुई है, वे इस अभियान में पुनर्जीवित होने की पात्र होंगी।

नई दिल्ली में उद्यमियों व व्यापारियों का शिखर सम्मेलन 23 को : सुनील भार्गव

जयपुर । "वन नेशन-वन इलेक्शन" अभियान के अंतर्गत 23 अगस्त को उद्यमियों और व्यापारियों के सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में किया जायेगा।

वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य देशभर के प्रमुख उद्योग एव व्यापार जगत के नेताओं को एक मंच पर लाकर, वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय पर विचार-विमर्श करना है। विशेष रूप से इस पहल के व्यापार और अर्थव्यवस्था पर संभावित सकारात्मक प्रभाव को समझने और रेखांकित करने हेतु यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

भार्गव ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं शिवराज सिंह चौहान रहेंगे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनखड, सुरेंद्र नागर, अनिल एंटोनी, कामाख्या प्रसाद तासा की गरिमामय उपस्थिति रहेंगी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के माध्यम से एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर उद्योग एवं व्यापार जगत की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण तैयार किया जाएगा। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में स्थायित्व, पारदर्शिता और आर्थिक सुगमता को बढ़ावा मिल सकेगा।

सभी व्यापारिक संगठनों, उद्यिमयों एवं नीति-निर्माताओं से अपील की जाती है कि वे इस आयोजन में अपनी सम्माननीय उपस्थिति दर्ज कराएं और राष्ट्रीय महत्व के इस विषय को और अधिक सार्थक एवं प्रभावी बनाने में योगदान दें।

भार्गव ने बताया कि राजस्थान से भी उद्यिमयों एवं व्यापारियों का 51 सदस्यी एक प्रतिनिधि मंडल इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाएगा।

ग्रेटर निगम ने चार जोन उपायुक्तों के कार्यक्षेत्र बदले

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम प्रशासन ने चार उपायुक्त, एक सहायक अभियंता और तीन कनिष्ठ अभियंताओं के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी किए।

आदेश के मुताबिक उपायुक्त करणी सिंह को विद्याधर नगर जोन, मनोज कुमार वर्मा को राजस्व प्रथम और आयोजना प्रथम, अपर्णा शर्मा को गैराज शाखा, अशोक कुमार शर्मा को मुरलीपुरा जोन उपायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सहायक अभियंता मनीष कुमावत को विद्याधर नगर जोन भेजा गया है।

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने देश विदेश में 24 लाख दिव्यांगों का पुनर्वास किया

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध कृत्रिम अंग जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) ने अब तक देश-विदेश में 24 लाख से अधिक विकलांगों का पुर्नवास किया है। वर्ष 1975 में डी.आर. मेहता, संस्थापक और मुख्य संरक्षक द्वारा स्थापित यह संस्था इस वर्ष अपनी स्वर्ण जयन्ती मना रही है और वर्तमान में बी.एम.वी.एस.एस. के विकलांगों के पुर्नवास की विश्वभर में सबसे अग्रणी संस्था बन गई है।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने प्रबन्ध समिति की बैठक में कहा कि वर्ष अप्रैल 2024 से 31 जुलाई 2025 तक एक लाख 78 हजार 180 विकलांगों को कृत्रिम पैर, कैलीपर्स, ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखियां, स्टिक, वाकर इत्यादि नि:शुल्क उपलब्ध कराए गए।

डी.आर. मेहता ने बताया कि कुल लाभार्थियों में 48,527 विदेशी द्विव्यागं हैं, जिन्हें विदेशों में आयोजित शिविरों के माध्यम से नि:शुल्क कृत्रिम पैर और उपकरण उपलब्ध कराए गए।

ज्यपुर फुट की निर्माता संस्था बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा अप्रैल 2024 से इस वर्ष मार्च तक विभिन्न स्थानों पर 82 शिविरों का आयोजन कर 31 हजार 694 द्विव्यांगों का पुर्नवास

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की प्रबंध समिति की बैठक हुई।

किया गया। बी.एम.वी.एस.एस. की देशभर में फैली विभिन्न 32 शाखाओं के माध्यम से 150 शिविरों का आयोजन कर कृत्रिम पैर और उपकरण नि:शुल्क वितरित किए गए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और निजी संस्थाओं द्वारा अब तक 46 देशों में 116 शिविरों का विदेशों में आयोजन किया। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत सरकार और निजी कम्पनियों के सहयोग से अफगानिस्तान में 75 कृत्रिम पैर और मोजम्बिक में 1230 कृत्रिम पैर लगाए गए और अन्य उपकरण नि:शुल्क बांटे गए।

बी.एम.वी.एस.एस.के अध्यक्ष सतीश मेहता ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में तंजानिया, निकारागुआ, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुवाटमे ाला, सूडान एवं म्यानमार में विशेष शिविर आयोजित करने की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हो चुकी हैं। इसी प्रकार गुयाना, गिन्नी एवं तंजानिया में निजी कम्पनियों के सहयागे से शिविरों के विदेशों में आयोजन होंगे।

बीएमवीएसएस ने अमृतसर पंजाब में गुरूरामदास मेडिकल कॉलजे और भोपाल में एम्स में नई शाखाएं खोली है। सतीश मेहता ने बताया कि छत्तीसगढ़ में जगदलपुर, मेघालय में शिलांग बाडमेर, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर और जम्मू-कश्मीर में एम्स जम्मू में नई शाखाएं खोलने के प्रस्ताव पर कार्य हा ` रहा हैं।

समिति के सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि समिति की प्रबन्ध समिति के सदस्य और प्रमुख चिकित्सक डॉ. शिव सरीन का जयपुर में द्विव्यांगों का विश्वविद्यालय स्थापित करने का सुझाव प्राप्त हुआ है। इसके लिए मणीपाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. संदीप संचेती को लखनऊ स्थित शकुंतला मिश्रा द्विव्यांग विश्वविद्यालय का अध्ययन कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

सचिव भूपेन्द्र राज मेहता ने बताया कि कुष्ठ रोगियों के लिए आमेर में एक आश्रम चलाया जा रहा है।

समिति ने अपने स्त्रोत से 45 दिव्यांगों के परिवार के लिए घर बनाने का कार्य किया है। इसी प्रकार जोधपुर के चोखा में 120 अनाथ और बेघर महिलाओं के लिए आश्रम का निर्माण किया गया है। जहां पर 100 आवासी रह रहे हैं।

- **समिति ने वर्ष अप्रैल 2024 से 31 जुलाई 2025 तक एक लाख 78 हजार 180 विकलांगें को कृत्रिम पैर, कैलीपर्स, ट्राई साईकिल, व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखियां, स्टिक, वाकर इत्यादि निःशुल्क उपलब्ध कराए हैं।**

क्या सीतापुरा में आई.ओ.सी.एल. गैस प्लांट के पास सघन आबादी नहीं है?

राजस्थान हाईकोर्ट ने सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित इस गैस प्लांट को दूसरी जगह शिफ्ट करने से जुड़े मामले में मुख्य सचिव से शपथ पत्र मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक इलाके में स्थित आई.ओ.सी.एल. के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट के आसपास मौजूद सघन आबादी बसावट होने के बारे में मुख्य सचिव से शपथ पत्र मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई 9 सितंबर को होगी।

आई.ओ.सी.एल. के इस गैस प्लांट को दूसरी जगह शिफ्ट करने के जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से पूछा है कि, क्या इस औद्योगिक क्षेत्र में जेडीए और नगर निगम ने रिहायशी कॉलोनियां विकसित की हैं। इस गैस प्लांट के आसपास जितनी भी आवासीय, औद्योगिक, शैक्षणिक व अन्य इकाईयां संचालित है, उनका पूरा विवरण अदालत में पेश किया जाये। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश ओमप्रकाश टांक की जनहित याचिका पर दिए।

हाईकोर्ट ने रीको प्रशासन से यह बताने को कहा है कि, औद्योगिक क्षेत्र में ऐसे अन्य प्रतिष्ठान या उद्योग संचालित है, जो खतरनाक गतिविधियों के दायरे में आते है।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश के पालना में आईओसीएल की ओर से सीनियर एडवोकेट सुधीर गुप्ता ने अदालत को बताया कि कंपनी का इस प्लांट को दूसरी जगह पर शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं है। जिस पर खंडपीठ ने कहा कि यह सत्यापित किया जाए कि मौजूदा जगह पर आईओसीएल का यह डिपो सुरक्षा व पेट्रोलियम कानूनों की अवहेलना तो नहीं कर रहा।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि साल 2009 में आईओसीएल के फ्यूल ऑयल स्टोरेज प्लांट में सात दिन तक लगी आग में 12 लोगों की मौत हुई थी। राज्य सरकार की जांच कमेटी ने 2011 की रिपोर्ट में माना था कि आईओसीएल के सीतापुरा स्थित घरेलू गैस के बॉटलिंग प्लांट को जगतपुरा व सीतापुरा में आबादी विस्तार को देखते हुए शहर से बाहर भेजना चाहिए। इस प्लांट में जामनगर लूणी गैस पाइप लाइन से एलपीजी उच्च दबाव पर सप्लाई होती है, जो सामने के रीको औद्योगिक क्षेत्र के नीचे से आती है। इसके ऊपर ही कई बडे अस्पताल, कॉलेज और फार्मेसी कौंसिल सहित अनेक शैक्षिणक संस्थान बन गए हैं। इसलिए बॉटलिंग प्लांट को शहर से बाहर शिफ्ट किया जाए।

इस पर न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मुख्य सचिव को एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। जिसमें न्यायालय को जरिये शपथ पत्र यह सूचित किया जाए कि क्या सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र और उसके आसपास में राज्य द्वारा जेडीए और नगर निगम जैसी अपनी एजेंसियों के माध्यम से आवासीय कॉलोनियाँ विकसित की गई हैं अथवा नही।

अदालत ने अपने आदेश में रीको से यह भी कहा है कि वह भवनों के निर्माण के साथ-साथ, खतरनाक भवनों या खतरनाक उद्योगों के निर्माण के लिए रीको द्वारा निर्धारित नियमों, विनियमों और मानदंडों को भी रिकॉर्ड पर पेश करे, ताकि न्यायालय इस मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंच सके।

- **अदालत ने मुख्य सचिव और रीको प्रशासन से, सीतापुरा में संचालित खतरनाक श्रेणी के उद्योग और इनसे सटी आवासीय कॉलोनियों, शैक्षणिक व अन्य इकाईयों का पूरा विवरण मांगा है।**
- **याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि साल 2009 में आईओसीएल के फ्यूल ऑयल स्टोरेज प्लांट में 7 दिन तक लगी आग में 12 लोगों की मौत हुई थी। राज्य सरकार की जांच कमेटी ने 2011 की रिपोर्ट में माना था कि आईओसीएल के सीतापुरा स्थित घरेलू गैस के बॉटलिंग प्लांट को जगतपुरा व सीतापुरा में आबादी विस्तार को देखते हुए शहर से बाहर भेजना चाहिए।**
- **इस प्लांट में जामनगर लूणी गैस पाइप लाइन से एलपीजी उच्च दबाव पर सप्लाई होती है, जो सामने के रीको औद्योगिक क्षेत्र के नीचे से आती है। इसके ऊपर ही कई बडे अस्पताल, कॉलेज और फार्मेसी कौंसिल सहित अनेक शैक्षिणक संस्थान बन गए हैं।**

चाकसू में फल विक्रेता की मौत के मामले ने तूल पकड़ा, सब्जी मंडी बंद रही

मृतक के परिजन व सैंकड़ों फल व सब्जी विक्रेता समेत जनप्रतिनिधियों ने धरना दिया

चाकसू, (निसं)। गत दिनों फल विक्रेता बनवारी लाल की मौत के प्रकरण ने मंगलवार को दूसरे दिन तूल पकड़ लिया। नाराज सब्जी व फल विक्रेताओं ने बनवारी की मौत को लेकर सब्जी मंडी बन्द रखकर कारोबार ठप रखा। लोग सब्जी व फल की खरीद को लेकर इधर-उधर भटकते नजर आए। बाद में कोटखवावदा मोड़, अम्बेडकर सर्किल पर टेंट लगाकर धरना दिया। धरना स्थल पर पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भरतलाल मीना, पूर्व मंडी चेयरमैन हरिनारायण चौधरी, विनोद राजोरिया, नगर पालिका उपाध्यक्ष सीताराम गुर्जर, पार्षद जुगल राजावत, विक्की सांवरिया, पूर्व पार्षद मोहनलाल बोहरा, शिवजी जाट सहित मृतक के परिजन व सैंकड़ों फल व सब्जी विक्रेता मौजूद थे।

जनप्रतिनधियों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी व थाना प्रभारी को दिया, जिसमें 50 लाख की आर्थिक सहायता, मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी या डेयरी बूथ व दोषी लोगो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। कुछ देर के लिये लोगों ने पुराने टोंक रोड को जाम कर टायर जला दिए। जाम से दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। बाद में प्रशासन की समझाइश से जाम खोल दिया। मृतक की बेटी ने क्षेत्र के लोगों से धरना स्थल पर आने की अपील की व उसके मृतक पिता को न्याय दिलाने की अपील की।

धरना स्थल पर लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने कहा कि मृतक का बिना पोस्टमार्टम करवाये परिजनों पर रातों रात दबाव लगाकर दाग लगवा दिया, इसमें ऐसी क्या जल्दबाजी थी। घटना स्थल पर क्षेत्रीय विधायक के नहीं आने पर सोलंकी ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि सब्जी विक्रेताओं को स्थायी जगह देना चाहिए। आज यह घटना बनवारी के साथ घटी कल दूसरे के साथ घटेगी। वहीं सोशल मीडिया पर भी बनवारी की मौत को लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। देर शाम तक धरना जारी था। वहीं परिजनों का आरोप है कि 16 अगस्त को नगर पालिका ने बनवारी के 50 हजार के फल जब्त कर लिए थे और उसे थाने में ले गए थे। जिससे वह टेंशन में था इसी के चलते हुए उसकी मौत हो गयी।

नाराज सब्जी व फल विक्रेताओं व मृतक के परिजनों ने मांगों को लेकर धरना दिया।

- जनप्रतिनधियों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता का एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी व थाना प्रभारी को दिया

दो हजार रुपये की रिश्वत लेते चिकित्सक गिरफ्तार

राजकीय चिकित्सालय जालोर के ट्रोमा सेंटर में कार्यरत मेडिकल ज्यूरिस्ट चिकित्सक कानाराम पटेल को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया। (गोले में)

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. जालोर इकाई द्वारा मंगलवार को कार्यवाही करते राजकीय चिकित्सालय जालोर के ट्रोमा सेंटर में कार्यरत मेडिकल ज्यूरिस्ट चिकित्सक कानाराम पटेल को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशानुसार जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक भुवनभूषण यादव के सुपरविजन में जालोर एसीबी के एएसपी मांगीलाल ने ट्रेप की कार्यवाही करते हुए बताया कि परिवादी के साथ 24 जुलाई को हुई मारपीट के प्रकरण जो कि पुलिस थाना कोतवाली जालोर में दर्ज है। उक्त प्रकरण में परिवादी की चोटों का चोट प्रतिवेदन जारी करने के एवज में जालोर राजकीय चिकित्सालय के ट्रोमा सेंटर के मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. कानाराम पेटल द्वारा परिवादी से रिश्वत की मांग की गई, जिसका एसीबी जालोर द्वारा गोपनीय सत्यापन करवाया जाकर मंगलवार को ट्रेप की कार्यवाही की गई। जिस पर डॉ. कानाराम को परिवादी से दो हजार रूपये रिश्वत की राशि प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। एसीबी जोधपुर, रेंज उप महानिरीक्षक भुवनभूषण यादव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

- मारपीट के दर्ज प्रकरण में परिवादी की चोटों का चोट प्रतिवेदन जारी करने के एवज में रिश्वत मांगी थी

40 लाख कीमत के 123 मोबाइल फोन बरामद, मालिकों को सौंपे

अलवर, (निसं)। अलवर एसपी सुधीर चौधरी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सायबर संग्राम में पुलिस ने सफलता हासिल करते हुए चोरी गए करीब चालीस लाख कीमत के 123 मोबाइलों को बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को लोटाकर जनता में विश्वास जमाने का पूरा प्रयास किया है।

सुधीर चौधरी पुलिस अधीक्षक जिला अलवर ने बताया कि ऑपरेशन सायबर संग्राम अभियान के तहत सायबर सेल व समस्त थानाधिकारियों, वृत्ताधिकारी द्वारा कार्रवाई करते हुए सीईआरएल पोर्टल पर दर्ज गुमशुदा मोबाइल फोन को ट्रेस कर 123 मोबाइल, अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रूपये के मोबाइल फोन बरामद करवाए गए है। 123 मोबाइल फोन वास्तविक मोबाइल धारकों को सुपुर्द किये गये हैं। आमजन द्वारा गुम होने वाले मोबाइल फोन की शिकायत दर्ज कराने पर उनका इन्द्राज सीईआरएल पोर्टल पर किया जाता है। सीईआरएल पोर्टल पर दर्ज होने के पश्चात मोबाइल फोन ट्रेस होने पर सायबर सेल द्वारा थानों के माध्यम से बरामद करवाया जाकर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किये गये है।

एसपी चौधरी ने आमजन से अलवर पुलिस की तरफ से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें या सायबर फॉड हेल्पलाईन नम्बर या जिला अलवर के हेल्पलाईन नम्बरपर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करवायें, ताकि आपकी मदद कर विधिक कार्रवाई की जा सके।

अलवर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जब्त मोबाइलों के बारे में जानकारी दी।

मादक पदार्थों की सप्लाई में लिप्त 15 हजार का इनामी तस्कर पंजाब से गिरफ्तार

ढाई साल से पुलिस को चकमा दे रहा था, एसओजी और डीएसटी की टीमों को भी आरोपी की तलाश थी

सूरतगढ़, (निसं)। सर्किल की राजियासर थाना पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की सप्लाई में लिप्त 15 हजार रुपए के इनामी आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। 80 किलो अवैध डोडा-पोस्त व 320 ग्राम अफीम के साथ पकड़े गए आरोपियों ने यह नशा आरोपी से खरीदा था।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बरकत अली (27) निवासी कर्मलीवाली ढाणी को राजियासर थानाधिकारी सतीश कुमार ने अपनी टीम के साथ दबिश देकर बठिंडा (पंजाब) से गिरफ्तार किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर का यह तस्कर लंबे समय से फरार चल रहा था और जोधपुर की डीएसटी लगातार इसकी तलाश कर रही थी। एसपी के अनुसार ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत मेडिकेटेड नशे और मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। 5 जनवरी 2023 को राजियासर थाना पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान कार को रोककर तलाशी ली, तो कार से प्लास्टिक कट्टों में भरा 80 किलो अवैध डोडा-पोस्त और 320 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। इस पर पुलिस ने कार सवार आरोपियों को गिरफ्तार कर राजियासर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान यह सामने आया कि पकड़े गए आरोपियों ने यह नशा बरकत अली से खरीदा था। बरकत अली की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थी। एसओजी और जोधपुर की डीएसटी भी उसकी तलाश में थी। आरोपी की गिरफ्तारी पर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

राजियासर थाना प्रभारी सतीश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को बठिंडा से दबोच लिया।

बरकत अली का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला गया है, जिसमें यह सामने आया है कि उसके खिलाफ पहले से ही सिटी थाने में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज है। आरोपी अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी के मामले में भी वांछित है। थाना मोहनगढ़ में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले भी उसका नाम सामने आया है, जिसकी जांच एसओजी जोधपुर कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और संभावना है कि कई और बड़े खुलासे सामने आएंगे। इस कार्रवाई में राजियासर थाने के सिपाही आत्माराम और रामदयाल की विशेष भूमिका रही।

- 80 किलो अवैध डोडा-पोस्त व 320 ग्राम अफीम के साथ पकड़े गए आरोपियों ने यह नशा आरोपी से खरीदा था

दुष्कर्म और कुकर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर थाना पुलिस ने नाबालिग बच्चे-बच्चियों के साथ दुष्कर्म और कुकर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी दुष्कर्म करने का आदी है। नाबालिग से कुकर्म और हत्या के मामले में आरोपी आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। साल 2024 में ही आरोपी की सजा पूरी हुई थी, जिसके बाद साल 2025 में उसने फिर से नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

ग्रामीण सीओ आकांशा चौधरी ने बताया कि 25 जून 2025 को एक नाबालिग से दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी, जिसमें बताया गया था कि आरोपी मोहम्मद अरसद उर्फ़ लायक निवासी झब्बारी पुलिस थाना जलालगढ़ जिला पूर्णिया बिहार ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया है। साथ ही उसे जाति सूचक शब्दों से भी अपमानित किया है। आज आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। साल 2007 में आरोपी के खिलाफ डीग जिले के पहाड़ी थाने में एक नाबालिग से यौन उत्पीड़न, हत्या करने का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास सजा सुनाई थी। आरोपी साल 2024 में जेल से रिहा हो गया था। सजा के दौरान आरोपी अर्ध खुलाबन्दी में था। वह मजदूरी करने जाता था। इस दौरान उसकी जान पहचान एक दंपती से हुई। दोनों पति-पत्नी भी मजदूरी करने जाया करते थे। साल 2023 में नाबालिग के पिता की बीमारी के कारण मौत हो गई। साल 2024 में आरोपी जेल से बाहर आ गया।

आरोपी मोसम्मद अरसद ने सेवर में किराए पर कमरा ले लिया और वह नाबालिग के घर आने जाने लगा। इस दौरान आरोपी ने नाबालिग की मां से कहा कि वह उसकी नाबालिग बेटी का स्कूल में एडमिशन करवाएगा। जिसके बाद वह नाबालिग का सारा पढ़ाई का खर्च उठाने लगा। वह नाबालिग को किसी न किसी बहाने अपने कमरे पर ले जाता और उसके साथ दुष्कर्म करता। आरोपी नाबालिग से 2024 से दुष्कर्म कर रहा था। 25 जून 2025 को नाबालिग आरोपी से परेशान होकर सेवर थाने पहुंची, जहां उसने सारी घटना पुलिस को बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच की और, आज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सीओ आकांक्षा चौधरी ने बताया कि आरोपी मोहम्मद अरसद साल 2005 में बिहार से आया था। जहां वह एक मदरसे में पढ़ा रहा था। वहां पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर एक 14 साल के नाबालिग युवक से कुकर्म किया। उसके बाद युवक की हत्या कर दी। नाबालिग युवक मदरसे में ही पढ़ता था। साल 2007 में आरोपी मोहम्मद अरसद और उसके साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। साल 2010 में कोर्ट ने मोहम्मद अरसद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

- 2007 में अपने स्टूडेंट के साथ कुकर्म कर हत्या कर दी थी
- जेल से बाहर आने के बाद नाबालिग से दुष्कर्म किया था

नीले ड्रम की मर्डर मिस्ट्री : पुलिस जयपुर रेंज आईजी व खैरथल एसपी किशनगढ़ बास पहुंचे

किशनगढ़ बास, (निसं)। मेरठ के बाद खैरथल तिजारा जिले के पुलिस थाना किशनगढ़ बास के वार्ड 14 की आदर्श कॉलोनी के एक मकान में नीले ड्रम के अंदर मिले युवक हंसराज के शव को 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए कि पुलिस ने फरार मृतक युवक की पत्नी लक्ष्मी उर्फ सुनीता व प्रेमी जितेंद्र जो मकान मालिक का लड़का है, उसे ढूंढ कर गिरफ्तार किया है। वहीं मंगलवार को पुलिस जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश व खैरथल एसपी ने किशनगढ़ बास पहुंचकर मकान का मुआयना कर घटना की जानकारी ली।

एसपी मनीष चौधरी ने प्रेस वार्ता में मेरठ के बाद किशनगढ़ बास में नीले ड्रम की मर्डर मिस्ट्री का खुलासा करते हुए बताया कि घर पर शराब पार्टी कर प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर नीले ड्रम में लाश को छुपाकर फरार हुए मकान मालिक के बेटे जितेंद्र व मृतक युवक हंसराज की पत्नी सुनिता उर्फ लक्ष्मी को पुलिस ने रामगढ़ के अलावडा ईंट भट्टा से गिरफ्तार कर लिया। प्रेमी युवक जितेंद्र महिला को लेकर ईंट भट्टा पर काम मांगने लिए पहुंचा था। एसपी ने बताया घटना के सामने आने पर पुलिस ने जिलेभर के ईंट भट्टा मालिकों को खबर की और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश व गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर भेजी। तलाश के दौरान जैसे ही पुलिस तिजारा थाना क्षेत्र के भिड़ूसी ईंट भट्टा पर पहुंची तो वहां मुनीम ने बताया कि महिला और युवक को डिटेन कर पूछताछ के लिए किशनगढ़ बास पुलिस थाने ले आई। प्रेम प्रसंग के चलते हंसराज की पत्नी सुनिता उर्फ लक्ष्मी एवं प्रेमी जितेंद्र शर्मा पुत्र राजेश शर्मा ने अपने मकान में किराए पर लेकर आया। उत्तर प्रदेश निवासी हंसराज अपने परिवार के साथ भिड़ूसी ईंट भट्टा पर काम करता था। वहीं पर जितेंद्र बी मुनीम की नौकरी करता था। करीब डेढ़ महीने पहले जितेंद्र और अलावडा कमल भट्टे पर काम करने के लिए आए हुए हैं। पुलिस ने तुरंत उन्हें रोकने के लिए कहा और वहां पहुंचकर लक्ष्मी व तीनों बच्चों को लेकर घर से फरार हो गया। 17 अगस्त 2025 को हंसराज की मौत का खुलासा तब हुआ जब दोपहर को जितेंद्र की मां ऊपर छत पर गई और आ रही बदबू को लेकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा तो ऊपर रसोई में ड्रम के अंदर लाश पड़ी थी। लाश से दुर्गंध उठ रही थी। मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। मौके पर ड्रम के अंदर मिला एक धारदार लोहे का फरसा व चादर को जब्त कर लिया।

युवक की लाश की शिनाख्त उत्तर प्रदेश निवासी हंसराज के रूप में होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। दूसरे दिन हंसराज के परिजन किशनगढ़ बास पुलिस थाने पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि हंसराज की पत्नी सुनिता उर्फ लक्ष्मी इंस्टाग्राम पर रील बनाती थी। पुलिस ने पकड़े आरोपी प्रेमी जितेंद्र व प्रेमिका सुनीता उर्फ लक्ष्मी को गहन पूछताछ के उपरांत आरोप प्रमाणित पाए जाने गिरफ्तार किया। महिला गांव नवादिया पोस्ट खाडेपुर जिला शाहजहांपुर उत्तरप्रदेश की रहने वाली है।

पुलिस ने फरार मृतक युवक की पत्नी लक्ष्मी उर्फ सुनीता व प्रेमी को गिरफ्तार किया।

- रेंज आईजी व एसपी ने मकान का अवलोकन किया और घटना की जानकारी ली

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की वीरता पर छात्रा ने सिंदूर से पेंटिंग बनाई

9वीं क्लास की माही गुप्ता ने कलेक्टर व एसपी को सौंपी पेंटिंग, पेंटिंग बनाने में 12 दिन लगे

अजमेर, (कासं)। आतंकियों द्वारा भारतीय महिलाओं के सुहाग उजड़ाने वालों के खिलाफ भारतीय सेना की ओर से आतंकियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर 9वीं क्लास की छात्रा ने सिंदूर से दो पेंटिंग तैयार कर एसपी और जिला कलेक्टर को सौंपी है। यह पेंटिंग 12 दिन में लाल रंग के सिंदूर और अलग-अलग कलर्स का उपयोग कर तैयार की गई है। पेंटिंग में महिलाओं को उनके सुहाग उजड़ने पर रोता हुआ और जवानों द्वारा चलाये गए ऑपरेशन को दर्शाया गया है।

कलेक्टर और एसपी सौंपी पेंटिंग :-आस्था फाउंडेशन की वॉलिंटियर मोनिका डीडवानिया ने बताया कि संस्था द्वारा आत्मरक्षा अभियान चलाया गया था। इस अभियान में 9वीं कक्षा की छात्रा माही गुप्ता भी जुड़ी हुई थी। तब बच्ची ने एक छोटा सा ऑपरेशन सिंदूर पर पोर्ट्रेट बनाया था, बाद में इस पेंटिंग को बड़ा बनाने के लिए कहा गया, बच्ची की मेहनत और सराहना करने के लिए मंगलवार दोनों पेंटिंग कलेक्टर लोकबंधु और एसपी वंदिता राणा को सौंपी गई। पेंटिंग को लेकर बच्ची की भावनाएं बहुत अच्छी हैं। इसमें महिलाओं के दुख और ऑपरेशन सिंदूर को दर्शाया गया है।

प्रकाश नगर निवासी माही गुप्ता ने बताया कि वह माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में कक्षा 9वीं की छात्रा है। अपनी एक टीचर को देखकर उसने थर्ड क्लास से पेंटिंग करना शुरू किया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सुंदर चलाया गया था। पूरे देश में सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा थी। तभी उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह पेंटिंग तैयार करना सोचा था। माही गुप्ता ने बताया कि इस पेंटिंग में उन्होंने लाल रंग के सिंदूर के साथ अलग अलग कलर्स और कैनवास शीट का उपयोग किया, दोनों पेंटिंग को तैयार करने में करीब उन्होंने 12 दिन लगे।

राष्ट्रीय अनु. जाति आयोग अध्यक्ष का जनप्रतिनिधियों से संवाद

जयपुर। प्रदेश के संविधान क्लब में मंगलवार को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना की अध्यक्षता में प्रदेश के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बैठक में अनुसूचित जातियों से संबंधित विभिन्न विषयों एवं उनकी समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष मकवाना ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाएं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के हित के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं को अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाया जाएगा। बैठक में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि संविधान के प्रावधानों को संरक्षित रखने के लिए आयोग का गठन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस आयोग के माध्यम से एससी समुदाय के अधिकारों की रक्षा कर विभिन्न समस्यायों का समाधान किया जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एससी वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए आयोग द्वारा पूर्ण प्रयास किया जाएगा। बैठक के दौरान विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे अनुसूचित वर्ग के विकास कार्यों की जानकारी के साथ विभिन्न समस्याओं के बारे में भी अवगत कराया। और समाजहित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय आयोग के सदस्य वड्डेपल्ली रामचंदर तथा लवकुश कुमार, राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंची बीकानेर की कल्पना

बीकानेर, (निसं)। लंदन में रहने वाली बीकानेर निवासी कल्पना थानवी ने तंजानिया के माउंट किलिमंजारो की चढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। कल्पना ने पिछले दिनों इस यात्रा को पूरा किया। एवरेस्ट की तरह ये पर्वतीय चोटी भी दुनिया की प्रमुख पर्वत श्रृंखला में शामिल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर इस पर्वतीय चोटी पर पहुंचने के लिए कठिन मेहनत करनी पड़ती है।

अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला किलिमंजारो पर चढ़ाई का सिलसिला 6 अगस्त को शुरू किया और पंद्रह अगस्त तक चला। तंजानिया में स्थित ये पर्वत श्रृंखला करीब 5 हजार 895 मीटर यानी 19 हजार 341 फीट ऊंची है। इस पर्वत श्रृंखला पर चढ़ना काफी मुश्किल है। ये अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी है और इसे पार करना बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। तंजानिया में स्थित ये पर्वत श्रृंखला ज्वालामुखी से बनी है। इनका नाम किबो, मवेन्जी और शिरा है, जिसमें किबो सबसे ऊंची चोटी है, जिसे उहुरू शिखर के नाम से भी जाना जाता है। इसी की ऊंचाई 19 हजार 341 फीट है। मूल रूप से बीकानेर के जोशीवाड़ा क्षेत्र में रहने वाली कल्पना लंदन में ही काम करती है। उनके पति लंदन के प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नरोत्तम थानवी भी प्रोत्साहित करते हैं। विवाह के बाद भी उनका पर्वतारोहण से प्रेम कम नहीं हुआ। बार-बार प्रयास करने के बाद अब इस पर्वत श्रृंखला पर चढ़ने में सफलता मिल गई।

- लंदन में रहने वाली बीकानेर निवासी कल्पना थानवी ने पिछले दिनों इस यात्रा को पूरा किया
- कल्पना ने 19 हजार फीट ऊंचे पहाड़ को फतह किया, ज्वालामुखी से बना है पर्वत

व्यक्तिगत रूप से, यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह घरेलू विश्व कप है। मुझे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी का काफी अनुभव है, मैं बस टीम में योगदान देना चाहती हूँ।

- हरमनप्रीत कौर

भारतीय महिला खिलाड़ी,
विश्व कप के लिए टीम की तैयारियों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पृथ्वी शॉ

युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र के लिए डेब्यू मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पृथ्वी ने अपने इस प्रदर्शन से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। दरअसल, उन्होंने बूची बाबू टूर्नामेंट में छत्तीसगढ के खिलाफ मैच में शतक लगाया। इस दौरान उन्होने 122 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उनके इस शतक ने महाराष्ट्र को मुसीबत से उबारा है। पृथ्वी शॉ को पिछले साल खराब फिटनेस के कारण मुंबई टीम ने ड्रॉप कर दिया था। ड्रॉप होने के बाद उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने नौ ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की मांग की थी। जिसे स्वीकार भी कर लिया था।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और बांग्लादेश ने 15-15 बार एशिया कप खेली है। भारत ने टूर्नामेंट के पहले 5 में से चार खिताब जीते थे।भारत (1988 से 1995 के बीच) लगातार तीन एशिया कप जीतने वाली इकलौती टीम है।

नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर 220 रन से विजेता

जयपुर, 19 अगस्त। एस.एच. एस. क्लब द्वारा आयोजित प्रथम अंडर 14 फेडस किकेट कप में खेले गये मैच मे लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी और नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 323/8 40.0 ओवर मे बनाए। नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर की ओर से आदित्य यादव ने 60 रन, लोकेश बाजोडिया ने 62 रन, मयंक सैनी ने 59 रन और हिमाशु ने 39 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी की और से गेदबाजी करते हुए कृष्णा ओझा ने 55 रन देकर 2 विकेट, प्रियाशु सैनी ने 55 रन देकर 2 विकेट, यथार्थ जैन ने 53 रन देकर के 3 विकेट लिया। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 103/10 27.3 ओवर में ऑल आउट हो गई। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी कि ओर से यथार्थ जैन ने 11 रन, भव्या असवाल ने 14 रन, हनुमंत सिह ने 11 रन बनाये। नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर गेदबाजी करते हुए दिव्या प्रताप ने 28 रन देकर 3 विकेट, चर्चित यादव ने 26 रन देकर 3 विकेट, मयंक सैनी ने 19 रन देकर 2 विकेट, सावत मालावत ने 11 रन देकर 2 विकेट लिया। नारायणा क्रिकेट एकेडमी जूनियर 220 रन से विजेता हुई।

रॉयल्स कोचिंग हब ने क्रिकेट कोचिंग कोर्स शुरू किया

जयपुर, 19 अगस्त। रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप (राजस्थान रॉयल्स, बारबाडोस रॉयल्स और पार्ल रॉयल्स के मालिक) द्वारा एक डिजिटल-प्रथम पहल, द रॉयल्स कोचिंग हब ने अपने हिंदी संस्करण के शुभारंभ की घोषणा की। यह हिंदी में संरचित क्रिकेट शिक्षा प्रदान करने वाला अपनी तरह का पहला कोचिंग प्लेटफॉर्म है। यह अग्रणी पहल स्वतंत्रता, सुलभता और गौरव का प्रतीक है। समान वर्ल्ड क्लास सामग्री को हिंदी में उपलब्ध कराकर पूरे भारत में खेल शिक्षा का लोकतंत्रीकरण।

30 देशों में 4,000 उपयोगकर्ताओं और 500 से अधिक प्रमाणपत्रों के साथ, ए -संचालित हिंदी संस्करण उन भाषाई बाधाओं को सीधे संबोधित करके नई राह पर है, जो लंबे समय से टियर 2 और टियर 3 शहरों के लाखों प्रतिभाशाली खिलाडियों, कोचों और अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण क्रिकेट शिक्षा प्राप्त करने से रोकती रही है।

रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा के दृष्टिकोण से समर्थित, इस हब में सिड लाहिड़ी, शेन बर्गर, रिचर्ड दास और दिशांत याग्निक जैसे विशेषज्ञों द्वारा संचालित छोटे, स्व-गतिशील मॉड्यूल शामिल हैं। पाठ्यक्रम आधुनिक खेल के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है और इसमें निम्नलिखित आवश्यक क्षेत्र शामिल हैं।

पाकिस्तान ने 2025/26 के लिए पुरुष केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की

कराची, 19 अगस्त। पाकिस्तानी सितारों अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सैम अयूब, सलमान अली आगा और शादाब खान को पिछले 12 महीनों में उनके प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है और उन्हें 2025/26 के लिए टीम की केंद्रीय अनुबंध सूची में पदोन्नित मिली है। इन सभी खिलाड़ियों ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया और पाकिस्तान द्वारा आज जारी की गई नवीनतम अनुबंध सूची में श्रेणी बी में पदोन्नित हासिल की। 1 जुलाई 2025 से शुरू होने वाले वर्ष के लिए कुल 30 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध प्राप्त हुए हैं, जिनमें से कुल 10 खिलाड़ी श्रेणी बी में सूचीबद्ध हैं। इस सूची में पूर्व कप्तान बाबर आजम, स्टार सलामी बल्लेबाज फखर जमान और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी सबसे आगे हैं, जबकि अबरार, रऊफ, अयूब, अली आगा और शादाब कम से कम 30 जून 2026 तक इस समूह में शामिल रहेंगे। अन्य 10 खिलाड़ी श्रेणी सी और श्रेणी डी दोनों में सूचीबद्ध हैं, और पाकिस्तान ने अगले सत्र के लिए अपने किसी भी स्टार खिलाड़ी को श्रेणी ए में नहीं रखने का विकल्प चुना है। केवल बाबर और मोहम्मद रिजवान 2024/25 के लिए श्रेणी ए में थे, और नई अवधि के लिए यह जोड़ी वापस श्रेणी बी में आ गई है। दोनों खिलाड़ियों को हाल ही में अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम से भी बाहर रखा गया था। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अनुबंध सूची में कुल 12 नए खिलाड़ी शामिल किए गए हैं, जो नई प्रतिभाओं के उभरने और टीम की गहराई व भविष्य के विकास पर बोर्ड के रणनीतिक ध्यान को दर्शाते हैं।

श्रेयस अय्यर को एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला समझ से परे है: अभिषेक

नई दिल्ली, 19 अगस्त। भारत की एशिया कप टीम की घोषणा के बाद जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए, पूर्व क्रिकेटर अभिषेक नायर और आकाश चोपड़ा ने शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाने, श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर करने और जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन के प्रबंधन के तरीके पर अपने विचार साझा किए।

अभिषेक नायर ने शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी पर कहा, टीम की यह घोषणा आपको चयनकर्ताओं की मानसिकता का अंदाजा देती है। शुभमन के चयन के साथ, समय के साथ, वह सभी प्रारूपों के कप्तान बन जाएंगे, और यही वह जगह है जहां वे उन्हें तैनात कर रहे हैं। शानदार चयन, शानदार खिलाड़ी। मुझे यकीन है कि वह आक्रामक होने की मानसिकता और इसी दृष्टिकोण को अपनाएंगे। और मुझे लगता है कि शुभमन गिल के जीवन में अगले 12 महीने बहुत ही दिलचस्प होने वाले हैं।

श्रेयस अय्यर की टीम से अनुपस्थिति पर उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि श्रेयस अय्यर को 20 सदस्यीय टीम में शामिल न करने का क्या कारण हो सकता है। मैं अंतिम 15 की बात नहीं कर रहा, बल्कि 20 की बात कर रहा हूँ, जिससे यह स्पष्ट संदेश जाता है कि श्रेयस अय्यर चयनकर्ताओं की योजना में नहीं हैं, कम से कम टी20 के नजरिए से तो नहीं।

जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन और टी20 टीम में वापसी पर नायर ने कहा, हम सभी को यह समझना होगा कि बुमराह एक अनमोल संपत्ति हैं। चैंपियनशिप जीतने और न जीतने के बीच का अंतर वही हैं, और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उनके कार्यभार और उनके शरीर का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि जब आप उन्हें महत्वपूर्ण मैचों में नहीं खेलाते हैं, तो प्रभाव बहुत बड़ा होता है। योजना चाहे जो भी हो, बुमराह से बेहतर कोई नहीं जानता। वह इस बात का सबसे अच्छा आकलन करेंगे कि उनका शरीर क्या संभाल सकता है और वह चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन को इस बारे में बता सकते हैं। उन्हें जानने और उनके साथ समय बिताने के बाद, मैं आपको बता सकता हूँ कि उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करने और भारत के लिए चैंपियनशिप जीतने से ज्यादा कुछ भी मायने नहीं रखता।

आकाश चोपड़ा ने टी20 टीम में गिल के चयन पर कहा, लगता है कि भारत सभी प्रारूपों के कप्तान की ओर बढ़ रहा है। शुभमन गिल की वापसी के साथ, संजू सैमसन का भाग्य लगभग तय हो गया है; अब वह प्लेइंग इलेवन में नहीं होंगे। आप तिलक वर्मा या हार्दिक पांड्या को बाहर नहीं करेंगे, जिसका मतलब है कि सैमसन बाहर बैठेंगे, और जितेश शर्मा को फिर से मौका मिलने की संभावना है।

इस चयन से एक बात बिल्कुल स्पष्ट है: बल्लेबाजी क्रम को व्यक्तित्व से ज्यादा प्राथमिकता दी गई है। गिल के उप-कप्तान के रूप में आने से, वह निश्चित रूप से खेलेंगे और बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे। इससे संजू सैमसन प्लेइंग इलेवन से बाहर हो जाते हैं।

स्वियाटेक ने पाओलिनी को हराकर पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता

सिनसिनाटी, 19 अगस्त। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने महिला एकल फाइनल में इटली की जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 6-4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता।

इगा स्वियाटेक ने सोमवार (18 अगस्त) को जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 6-4 से हराकर अपना पहला सिनसिनाटी ओपन खिताब जीता। एक घंटे 49 मिनट के कठिन टेनिस में, स्वियाटेक - टूर्नामेंट में एकल में जीत हासिल करने वाली पहली पोलिश खिलाड़ी - ने पहली बार फाइनल में पहुंचने वाली पाओलिनी के खिलाफ छठी बार जीत हासिल की। उन्होंने इतालवी खिलाड़ी के खिलाफ केवल एक सेट गंवाया है। यह जीत उनके पहले से ही शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित हुई। यह स्वियाटेक का इस टूर पर 24वां और 1000 लेवल के स्तर पर 11वां खिताब था। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने चैंपियनशिप तक पहुंचने के दौरान एक भी सेट नहीं गंवाया। विंबलडन में जीत के बाद सिनसिनाटी स्वियाटेक का इस सीजन का दूसरा खिताब था। वह यूएस ओपन में नंबर 2 सीड एकल के रूप में भाग ले रही हैं और नए रूप से तैयार किए गए मिश्रित युगल में उनकी जोड़ी कैस्पर रूड के साथ है।

सिनर के फाइनल में रिटायर होने से अल्काराज ने जीता सिनसिनाटी ओपन

सिनसिनाटी, 19 अगस्त। कार्लोस अल्काराज को 2025 सिनसिनाटी ओपन चैंपियन का ताज पहनाया गया, जब जैनिक सिनर को फाइनल में रिटायर होना पड़ा, क्योंकि वे सिर्फ पांच गेम के बाद 5-0 से पिछड़ रहे थे। कार्लोस अल्काराज ने सोमवार (18 अगस्त) को जैनिक सिनर के सिर्फ पांच गेम खेलने के बाद रिटायर होने से 2025 सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीत लिया। अंतिम स्कोर 5-0 रहा।

सीजन का उनका चौथा फाइनल मुकाबला, यह मैच जल्द ही पलट गया। 2025 सीजन के चौथे फाइनल मुकाबले की शुरुआत अच्छी रही क्योंकि आमतौर पर स्थिर रहने वाले सिनर ने अपना पहला सर्विस गेम लव पर गंवा दिया। अल्काराज ने लगातार चार और गेम जीते, इससे पहले कि इतालवी खिलाड़ी ने चेंजओवर के दौरान ट्रेनर को बुलाया। कुछ ही मिनटों बाद, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैच से रिटायर हो गए। दोनों खिलाड़ी - जो अपनी प्रतिद्वंद्विता का आनंद ले रहे थे - आपस में लिपट गए, अल्काराज ने अपने प्रतिद्वंद्वी के गले में हाथ डाला और सिनर के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित दिखे।

सिनर ने ट्रॉफी समारोह के दौरान दर्शकों से माफी मांगी। उन्होंने कहा, आपको निराश करने के लिए मुझे बहुत, बहुत दुख है। कल से, मैं अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। मुझे लगा था कि रात में मैं बेहतर हो जाऊंगा, लेकिन हालत और बिगड़ गई। मैंने वापसी की कोशिश की, इसे कम से कम एक छोटा मैच बनाने की कोशिश की, लेकिन मैं इससे ज्यादा नहीं झेल सका।

अल्काराज और सिनर दोनों को यूएस ओपन मिक्स्ड डबल्स चैंपियनशिप में खेलना है, जो मंगलवार (19 अगस्त) से शुरू हो रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों में से कोई - खासकर सिनर - भाग लेगा या नहीं। यूएस ओपन में एकल प्रतियोगिता रविवार (24 अगस्त) को न्यूयॉर्क में शुरू होगी।

युवराज संधू ने पहले राउंड में 63 का स्कोर बनाकर बढ़त बना ली

होसुर (तमिलनाडु), 19 अगस्त। चंडीगढ़ के युवराज संधू, जो पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर हैं और पिछले हफ्ते मैसूर में विजेता रहे, ने तमिलनाडु के होसुर के पास क्लोवर ग्रीन्स गोल्फ कोर्स एंड रिजार्ट में आयोजित 1 करोड रुपये की पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप 2025 में पहले राउंड में आठ अंडर 63 का स्कोर बनाकर अपनी शानदार लय जारी रखी। नेपाल के सुभाष तमांग, दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य और हैदराबाद के मिलिंद सोनी की तिकड़ी ने पार-71 कोर्स पर सात अंडर 64 का स्कोर बनाकर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया।

वनडे विश्व कप की टीम में शेफाली को नहीं मिली जगह, रेणुका ने की वापसी

मुंबई, 19 अगस्त। महिला वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शेफाली वर्मा को मौका नहीं दिया गया है। प्रतिका रावल ओपनर के तौर पर भारतीय टीम की पहली पसंद बनी हुई हैं, जिन्होंने हालिया समय में भारत के लिए वनडे मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में विश्व कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। मध्य प्रदेश की युवा तेज गेंदबाज़ क्रांति गौड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। साथ ही रेणुका सिंह ने 15 सदस्यीय दल में वापसी की है।

30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला वनडे वर्ल्ड कप का पहला मैच भारत और श्रीलंका के बीच 30 सितंबर को होगा। कुल आठ टीमों वाले इस टूर्नामेंट में नॉकआउट स्टेज से पहले हर टीम हर दूसरी टीम के खिलाफ खेलते हुए कुल सात मैच खेलेगी। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 2 नवंबर को खेला जाएगा।

विश्व कप के लिए भारतीय दल: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमाह रॉड्रिग्स , ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्नेह राणा, एन श्री चरणी, रेणुका सिंह,अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

वर्ल्ड कप में भारत के मुक़ाबले

बनाम श्रीलंका - 30 सितंबर 2025, बनाम पाकिस्तान - 5 अक्टूबर 2025, बनाम दक्षिण अफ्रीका- 9 अक्टूबर 2025, बनाम ऑस्ट्रेलिया - 12 अक्टूबर 2025, बनाम इंग्लैंड - 19 अक्टूबर 2025, बनाम न्यूजीलैंड - 23 अक्टूबर 2025, बनाम बांग्लादेश - 26 अक्टूबर 2025।

ऑस्ट्रेलिया पर भारी पड़ा केशव महराज का पंजा

केर्न्स, 19 अगस्त। लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महराज (33 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पहले वनडे में मंगलवार को 98 रन से रौंदकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 296 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम 40.5 ओवर में 198 रन पर सिमट गयी। करियर में पहली बार वनडे में पांच विकेट लेने वाले केशव महराज को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले महराज का करियर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन पर चार विकेट था।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान मिचेल मार्श ने 96 गेंदों में 10 चौकों की मदद से सर्वाधिक 88 रन बनाये। बेन ड्वारश्विस ने 33 और ट्रेविस हेड ने 27 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 60 रन की अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ा गयी और केशव महराज के कहर से उसने 89 रन तक अपने छह विकेट गंवा दिए।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एडन मारक्रम ने 81 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 82, कप्तान तेम्बा बावुमा ने 74 गेंदों में 65 और मैथ्यू ब्रीत्जके ने 56 गेंदों में 57 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका का 296 रन का स्कोर ऑस्ट्रेलिया के लिए काफी बड़ा साबित हुआ। वियान मुल्डर ने 26 गेंदों में 31 रन का योगदान दिया।

हॉकी एशिया कप का पूरा कार्यक्रम हुआ जारी, पहले मैच में चीन से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली, 19 अगस्त। हॉकी एशिया कप 2025 का कार्यक्रम जारी हो गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ मुकाबले से करेगा। मेजबान भारतीय टीम पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ है। वहीं पूल बी में मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीन ताइपे की टीमों को रखा गया है। वहीं, पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं है।

29 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में एशिया कप 2025 हॉकी का आयोजन होगा। भारत अपना पहला मुकाबला शुरुआती दिन चीन के खिलाफ करेगा। इसके बाद 31 अगस्त को जापान से सामना होगा।

तीसरा मैच भारतीय टीम एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलेगी। बता दें कि, भारत ने अब तक तीन बार ये खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम 2003, 2007 और 2017 में हॉकी एशिया कप की विजेता बनी थी जबकि पांच बार टीम रनर-अप रही। वहीं आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के विजेता को नीदरलैंड और बेल्जियम में 2026 में होने वाले वर्ल्ड कप में सीधे जगह मिलेगी। मलेशिया और बांग्लादेश के मुकाबले के साथ 29 अगस्त को इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी जबकि प्रतियोगिता के पहले दिन के अंतिम मुकाबले में भारत और चीन आमने-सामने होंगे। पूल चरण के बाद सुपर फोर मुकाबले तीन और 6 सितंबर तक खेले जाएंगे। सुपर फर मुकाबलों का ऐलान पूलचरण के बाद किया जाएगा। फाइनल, तीसरे स्थान का प्ले ऑफ और पांचवें-छठे स्थान का क्लासीफिकेश सात सितंबर को होगा।

खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल से चमकेगी डल झील

श्रीनगर, 19 अगस्त। डल झील सदियों से श्रीनगर की आत्मा का प्रतीक है। यह कश्मीर के दिल में अवस्थित है, जहां जबरवान पहाड़ आकाश को चूमते हैं और शिकारा झिलमिलाते पानी में धीरे-धीरे सरकते हैं। दुनिया भर से पर्यटक इसकी सुंदरता, संस्कृति और विरासत की प्रशंसा करने आए हैं। अब, डल झील एक नई भूमिका निभाने के लिए तैयार है। यह नई भूमिका एक खेल के मैदान की है, जहां युवा ऊर्जा और एथलेटिक की भावना इसके जल में तरंगित होगी।

जूनियर विश्व नंबर 1 तन्वी शर्मा, भार्गव राम-विश्वतेज भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे

नयी दिल्ली, 19 अगस्त। विश्व की नंबर 1 जूनियर बालिका एकल खिलाड़ी तन्वी शर्मा, भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की बालक युगल जोड़ी, एशियाई जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता वेन्नाला कलागोटला और अनुभवी उन्नित हुड्डा, 6-19 अक्टूबर, 2025 तक गुवाहाटी के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2025 में 25 सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे।सुहांदिनाता कप के लिए मिश्रित टीम चैंपियनशिप 6-11 अक्टूबर तक खेली जाएगी, जबकि व्यक्तिगत स्पर्धाएँ 13-19 अक्टूबर तक होंगी।

भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, हम बेहद उत्साहित हैं कि भारत अपने घरेलू मैदान पर विश्व जूनियर चैंपियनशिप के लिए अपनी सबसे मजबूत टीमों में से एक उतारेगा। हमारी टीम में दो विश्व जूनियर नंबर 1 खिलाड़ी और कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने सीनियर सर्किट में अपनी छाप छोड़ी है, और मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार हम भारतीय खिलाड़ियों को पोडियम पर देखेंगे। भारत ने पिछली बार 2008 में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी की थी, जब साइना नेहवाल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनी थीं, जबकि आरएमवी गुरु साई दत्त ने लड़कों के एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

मनु के कांस्य पदक के बाद रश्मिका का स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 19 अगस्त। कज़ाकिस्तान के श्यामकेंट में चल रही 16वीं एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन के दूसरे दिन, दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर ने अपने करियर की अद्भुत निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए, एक और व्यक्तिगत अंतरराष्ट्रीय पदक हासिल किया। रश्मिका सहगल ने स्वर्ण पदक जीता, जो प्रतियोगिता में भारत का तीसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक था। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में 219.7 अंक हासिल कर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद, रश्मिका ने आत्मविश्वास से भरे प्रदर्शन के साथ जूनियर महिला एयर पिस्टल का खिताब जीता - उनका स्कोर 241.9 रहा, जो रजत पदक विजेता कोरियाई हान सेउंगह्यून से 4.3 अंक अधिक था।

वास्तव में, रश्मिका (क्वालीफिकेशन स्कोर 582) के लिए यह दोहरी खुशी की बात थी, क्योंकि उन्होंने वंशिका चौधरी (573) और मोहिनी सिंह (565) के साथ मिलकर इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण पदक जीता।

मनु (583) ने मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन पलक (573) और सुरुचि फोगाट (574) के साथ महिला एयर पिस्टल में टीम कांस्य पदक भी जीता, दोनों क्रमशः तीन और दो अंकों से व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। फाइनल में, मनु पहली पांच-शॉट सीरीज के बाद पांचवें और दूसरी के बाद चौथे स्थान पर थीं, लेकिन 11वें सिंगल शॉट में 10.5 का स्कोर बनाकर वह चीन की अंतिम विजेता मा कियानके के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। इसके बाद, जब मा मैदान पर नहीं थीं, तो कोरियाई 25 मीटर पिस्टल ओलंपिक चैंपियन यांग जिन, अनुभवी ईरानी हनीयेह रोस्तमियान और मनु के बीच छोटे स्थानों के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने जरूरी समय पर बड़े शॉट लगाए और उन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा,जहां हनीयेह चौथे स्थान पर रहीं।जूनियर महिला फाइनल में, रश्मिका कोरिया की हान के साथ शुरू से ही वर्चस्व की लड़ाई में शामिल थीं। 15वें शॉट में 10.9 का स्कोर सोने पर सुहागा था। सोमवार से भारत ने सीनियर पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में एक व्यक्तिगत कांस्य, एक टीम रजत और एक टीम कांस्य पदक जीता है। उन्होंने इस स्पर्धा में व्यक्तिगत जूनियर स्वर्ण पदक भी जीते हैं, जिसमें सोमवार को कपिल बैंसला ने पहला स्थान हासिल किया, और मंगलवार को रश्मिका सहगल ने दूसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा, जहां कपिल ने इस स्पर्धा में टीम रजत पदक जीता, वहीं रश्मिका ने महिला जूनियर टीम प्रतियोगिता में अपनी साथी वंशिका और मोहिनी की मदद से स्वर्णिम डबल पूरा करने में सफलता प्राप्त की। जोनाथन गेविन एंटनी ने भी जूनियर पुरुष एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता।

कैगिसो रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

केर्न्स, 19 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका 19 अगस्त से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही वनडे सीरीज में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा के बिना खेलेगा। यह तेज गेंदबाज अपने दाहिने टखने में सूजन के कारण बाहर है। बताया जा रहा है कि 30 वर्षीय रबाडा का सोमवार (18 अगस्त) को स्कैन हुआ था, जिसमें चोट की गंभीरता की पुष्टि हुई है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा है कि वह अब ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगे और राष्ट्रीय टीम के मेडिकल स्टाफ की देखरेख में रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। केर्न्स में होने वाले पहले मैच के लिए, दक्षिण अफ्रीका ने लुंगी एनगिडी, नांद्रे बर्गर और वियान मुल्डर की तेज गेंदबाजी तिकड़ी को चुना है। अगले दो मैच 22 और 24 अगस्त को मैके में खेले जाएंगे।

अहमदाबाद में 24 से 30 अगस्त अंतर्राष्ट्रीय गेम्स का आयोजन

गांधीनगर, 19 अगस्त। गुजरात की हेरिटेज सिटी अहमदाबाद में 24 से 30 अगस्त अंतरराष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि व्यापार एवं साहस के लिए विख्यात राज्य गुजरात अब खेल-कूद क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर झलकने के लिए तैयार है। आगामी वर्षों में गुजरात की हेरिटेज सिटी अहमदाबाद में विख्यात अंतरराष्ट्रीय गेम्स का आयोजन होने वाला है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है। इसी वर्ष यानी 2025 में ही तीन बड़े स्पोर्ट्स इवेंट्स कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप, एक्वाटिक्स चैम्पियनशिप तथा एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन अंडर-17 (एएफसी यू-17) एशियन कप क्वालीफायर आयोजित होंगे और विश्वभर के शीर्ष खिलाड़ी अहमदाबाद के अतिथि बनेंगे।अहमदाबाद के नारणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगामी 24 से 30 अगस्त के दौरान प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन होने जा रहा है। इस चैम्पियनशिप में 29 देशों के 350 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे।

राज्य स्तरीय अंडर 19 ट्रॉफी (पाली, जोधपुर जीती)

हर्ष दगडी की शतकीय पारी, गौरव के 6 विकेट व जगदीश चौधरी, पियूष, मानव रोहित का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 19 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जोधपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :-

पहला मैच-जोधपुर - टोंक (जोधपुर 28 रन से जीती), जोधपुर पारी 120 आल आउट, टीम के लिए जगदीश चौधरी 63 व दुष्यंत कछावा20 रन, टोंक के गेंदबाज आदित्य वाधवा 19/4, टोंक पारी 92 आल आउट, टीम के लिए आयुष 21 रन, जोधपुर केक गेंदबाज गौरव 14 /6 व कृष्णा 24 /2।

दूसरा मैच पाली - बारां (पाली 138 रन से जीती), पाली पारी 248 आल आउट, टीम के लिए हर्ष दगडी 130, मानव 25 रन, बारां के गेंदबाज पियूष62/3, बारां पारी 110 आल आउट, टीम के लिए पियूष28 रन, पाली के गेंदबाज मानव 23/4 व रोहित 30/4 विकेट।

संजय व्यास को मिला छटा राजीव गांधी लाईफ टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड

जयपुर, 19 अगस्त। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आर सी ए क्रिकेट एकेडमी में एक समारोह में मुख्य अतिथि टीका राम जूली (नेता प्रति पक्ष, राजस्थान विधान सभा) द्वारा राजीव गांधी स्मृति लाईफ टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड राजस्थान के पूर्व रणजी कप्तान संजय व्यास को दिया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि रफीक खान (विधायक आदर्श नगर), विशिष्ट अतिथि प्रशांत सहदेव शर्मा व हबीब गारनेट (समाज सेवी) रहे।

यह अवार्ड राजस्थान में क्रिकेट के खेल को अहम ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए दिया जाता है। अवॉर्ड के रूप में संजय व्यास को साफ़ा पहना कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया व ग्यारह हजार रुपए नगद दिए गए।

समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, राहुल कांवट, रोहित झालानी, मोहम्मद असलम सहित सैकड़ों खिलाड़ी व गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे। समारोह के अंत में राजीव गांधी क्रिकेट क्लब के सचिव मोहम्मद इकबाल ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली में ओम बिड़ला व केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

उन्होंने कोटा-बूंदी ग्रीन फील्ड एयर पोर्ट तथा प्रदेश की विकास की परियोजनाओं पर चर्चा की

- मुख्यमंत्री भजनलाल का दिनभर दिल्ली में व्यस्त कार्यक्रम रहा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, जयन्त चौधरी, डॉ. मनसुख मंडफिया, सी.आर. पाटिल, किरेन रिजिजू, प्रहलाद जोशी, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और डा. जितेन्द्र सिंह के साथ उनके मंत्रालय से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और प्रदेश की विकास परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की।

नई दिल्ली/जयपुर, 19 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर प्रदेश की विकास परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की। शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष से संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में भेंट की तथा प्रदेश में विकासोन्मुखी कार्यों, जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा आज कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को स्वीकृति मिलने पर बिरला को बधाई भी दी।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी से भेंट की। इस दौरान शर्मा ने जयपुर में लैंग्वेज लैब स्थापित करने के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

शर्मा ने केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों, आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं तथा प्रदेश में खेलों के विकास से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से भी उनके आवास पर मुलाकात की। तथा केन्द्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से भी मिले। इस दौरान केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कार्मिक एवं लोक शिकायत राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात कर प्रदेश के सिविल सेवकों से संबंधित एवं कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से जुड़े विविध विषयों पर चर्चा भी की।

आप पार्टी उपराष्ट्रपति के लिये विपक्ष के प्रत्याशी का समर्थन करेगी

नई दिल्ली, 19 अगस्त। देश के उपराष्ट्रपति चुनाव में आम आदमी पार्टी विपक्षी दलों के उम्मीदवार जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेगी। मंगलवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की हरी झंडी मिलने के बाद वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने यह ऐलान किया। संजयसिंह ने कहा कि यह आरएसएस और संविधान के बीच की लड़ाई है। भाजपा का उम्मीदवार आरएसएस से आता है और विपक्षी दलों के उम्मीदवार जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रहे हैं। वह आंध्र प्रदेश से आते हैं। अब

- पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल के निर्णय की सांसद संजय सिंह ने घोषणा की।

टीडीपी व आंध्र प्रदेश की अन्य पार्टियों को तय करना है कि वे जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेंगे या नहीं। संजय सिंह ने विपक्षी दलों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर स्पष्ट कहा कि जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी विपक्षी दलों के साझा प्रत्याशी हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने फैसला किया है और हमारी पार्टी ने यह निर्णय लिया है कि हम सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करेंगे।

महाराष्ट्र चुनाव में गलत डेटा के लिए सीएसडीएस डायरैक्टर ने माफी मांगी

सीएसडीएस के डायरैक्टर संजय कुमार ने कहा, हमसे आंकड़े पढ़ने में गलती हुई

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सैंटर फॉर द स्टडी ऑफ डवलपिंग सोसाइटीज़ (सीएसडीएस) वाले प्रोफेसर और चुनावी विश्लेषक संजय कुमार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से संबंधित एक्स पोस्ट के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा और 2024 के विधानसभा चुनावों के आंकड़ों की तुलना करते समय गलती हुई। पोस्ट अब हटा दिया गया है। ये जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी बिहार ने दी है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी बिहार ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, "उनके (संजय कुमार) आंकड़ों का हवाला कई कांग्रेस और विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के लिए दिया था।"

सीएसडीएस वाले प्रोफेसर संजय कुमार ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, "महाराष्ट्र चुनावों के संबंध में पोस्ट किए गए ट्वीट के लिए मैं तहे दिल से माफी चाहता हूं। 2024 के लोकसभा और 2024 के विधानसभा चुनावों के

- सूत्रों का कहना है कि इसी डेटा के आधार पर विपक्ष चुनाव आयोग पर निशाना साध रहा है।

आंकड़ों की तुलना करते समय त्रुटि हुई। पंक्ति में दिए गए आंकड़ों को हमारी डेटा टीम ने गलत पढ़ा था। ट्वीट को अब हटा दिया गया है। मेरा किसी भी प्रकार की गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था।"

भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा, "वह संस्थान, जिसके आंकड़ों पर भरोसा कर राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के मतदाताओं को बदनाम किया, अब खुद मान चुका है कि उसके आंकड़े गलत थे, न सिर्फ़ महाराष्ट्र पर बल्कि एसआईआर पर भी। तो अब राहुल गांधी और कांग्रेस की क्या स्थिति है, जिसने बेशर्मी से निर्वाचन आयोग को निशाना बनाया और यहां तक कि असली मतदाताओं को भी नकली कह दिया?। राहुल गांधी को तुरंत बिहार में अपनी घुसपैठिया बचाओ यात्रा छोड़कर भारत की जनता से अपनी गैर-जिम्मेदार और प्रतिगामी राजनीति के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।"

सीएसडीएस भारत में सामाजिक विज्ञान और मानविकी के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान है। इसकी स्थापना 1963 में राजनी कोठारी ने की थी और इसे मुख्य रूप से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद से फंडिंग मिलती है। यह नई दिल्ली में, दिल्ली विश्वविद्यालय के पास स्थित है। सीएसडीएस का मुख्य काम सामाजिक, राजनीतिक, और सांस्कृतिक मुद्दों पर शोध करना, सर्वेक्षण आयोजित करना, और नीति निर्माण में योगदान देना है। यह लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन, और समावेशी विकास जैसे विषयों पर गहन अध्ययन करता है।

मोदी ने राधाकृष्णन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए राजग उम्मीदवार राधाकृष्णन का बैठक में परिचय कराया गया। सांसदों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। सांसदों ने राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाने पर प्रधानमंत्री का भी आभार व्यक्त किया।

'ग्लोबल रेटिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत की स्थिति को बेहतर मान लेना चाहिए था। लेकिन इन वैश्विक एजेंसियों की अत्यधिक सतर्कता , जो कई बार निष्क्रियता की सीमा तक पहुंच जाती है, भारत के नीति-निर्माताओं को यह नहीं सोचने लगना चाहिए कि अब युद्ध जीता जा चुका है।

इस मायने में, एस एण्ड पी का यह अपग्रेड "इनाम" भी है और "याद दिलाने वाला संकेत" भी। यह बीते वर्षों के राजकोषीय और मौद्रिक अनुशासन की पहचान है, लेकिन यह भी याद दिलाता है कि आर्थिक विश्वसनीयता को बनाए रखना एक सतत प्रक्रिया है। अगर भारत विकास और स्थिरता के बीच इस नाजुक संतुलन को बनाए रख सकता है, तो वह इस रेटिंग को न केवल स्थिर रख पाएगा, बल्कि भविष्य में और ऊपर भी जा सकता है।

'हम यूक्रेन को हथियार व पैसा नहीं देंगे'

वाशिंगटन, 19 अगस्त। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने कहा है कि उनका देश अब यूक्रेन को हथियार देने में दिलचस्पी नहीं रखता है और इसके बजाय नाटो के ज़रिए यूरोपीय देशों से भुगतान प्राप्त कर उन्हें हथियार बेचेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प की यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की और कई यूरोपीय राष्ट्राध्यक्षों के साथ बैठक के बाद 'फॉक्स न्यूज़' को दिए एक साक्षात्कार में रूबियो ने कहा, हम अब यूक्रेन को ना हथियार दे रहे हैं और

- अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि हम नाटो को हथियार बेचेंगे, नाटो देश यूक्रेन को हथियार दे सकते हैं।

ना ही पैसा दे रहे हैं। अब हम यूरोपीय देशों को हथियार बेच रहे हैं और वे नाटो के ज़रिए इसके लिए भुगतान कर रहे हैं।

रुबियो ने युद्ध की जटिलताओं का उल्लेख करते हुए कहा, पिछली सरकार के दौरान हमारे पास एकमात्र विकल्प यही था कि यूक्रेन को जितनी ज़रूरत हो, उतनी धनराशि देते रहें, चाहे इसमें कितना भी समय लगे। लेकिन अब लोग वास्तव में इसे समाप्त करने के उपायों पर बात कर रहे हैं। अब इसमें थोड़ा और काम करना होगा और कुछ समय भी लगेगा, लेकिन हम प्रगति कर रहे हैं।

विधेयकों पर मंजूरी की समय सीमा के मसले पर सुप्रीम कोर्ट में बहस शुरु

नई दिल्ली, 19 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट में आज एक अहम बहस शुरू हुई। मामला यह है कि क्या राष्ट्रपति और राज्यपालों पर बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए तय समयसीमा लागू की जा सकती है या नहीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खुद संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत यह सवाल सुप्रीम कोर्ट से पूछा है। लेकिन, विपक्ष-शासित तमिलनाडु और केरल सरकारें इस संदर्भ को ही चुनौती दे रही हैं। उनका कहना है कि यह संदर्भ असल में सरकार का है, राष्ट्रपति का नहीं, और पहले से दिए गए फैसलों को दोबारा खुलवाने की कोशिश है।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने शुरुआत में ही पूछा, जब खुद राष्ट्रपति ने राय मांगी है तो इसमें दिक्कत क्या है? क्या आप वाकई इसे चुनौती देना चाहते हैं? बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि अदालत इस मामले में सलाहकारी अधिकार-क्षेत्र में बैठी है, यानी अभी यह कोई अंतिम आदेश नहीं बल्कि केवल राय देने की प्रक्रिया है।

मामला इसलिए उठा क्योंकि इस साल अप्रैल में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया था। इस फैसले में कहा गया कि राज्यपाल किसी भी बिल पर जितनी जल्दी संभव हो कार्रवाई करेंगे। अगर राज्यपाल बिल को राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला करना होगा।

- सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु की याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रपति व राज्यपाल के लिए विधेयकों पर मंजूरी की समय सीमा तय कर दी थी।
- इसके बाद भारी बहस छिड़ गई थी कि सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को ऐसा कोई निर्देश दे सकता है या नहीं।

राज्यपाल के पास अपने विवेक से बिल रोकने का कोई अधिकार नहीं है; उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह माननी ही होगी। इसके बाद राष्ट्रपति ने 14 सवाल सुप्रीम कोर्ट से पूछे कि क्या अदालत तय समयसीमा तय कर सकती है और अनुच्छेद 200 व 201 की व्याख्या कैसे होगी।

केंद्र ने लिखित जवाब में कहा है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल पर समयसीमा तय करना संविधान में शक्ति विभाजन के खिलाफ होगा। ऐसा करने से एक अंग (न्यायपालिका) दूसरे अंग (कार्यपालिका) की शक्ति अपने हाथ में ले लेगा और संवैधानिक अव्यवस्था पैदा हो जाएगी।

महाराष्ट्र में भारी बारिश, दो दिन में 10 की मौत

प्रशासन के अनुसार दस लाख हैक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान हुआ है

मुंबई, 19 अगस्त। महाराष्ट्र में भारी बारिश से पिछले 48 घंटों में 10 लोगों की मौत हो गयी और संपत्ति को भी काफी नुकसान हुआ है।

लगातार हो रही बारिश ने मुंबई और उसके उपनगरों में सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। व्यापक जलभराव, सड़क यातायात में बाधा तथा सेंट्रल, हार्बर और वेस्टर्न लाइन की उपनगरीय ट्रेनों में देरी हो रही है। क्षेत्रीय रिपोर्टों के अनुसार नांदेड़ में तीन, बीड में दो, हिंगोली में एक, अकोला में एक और मुंबई में दो लोगों की मौत हुयी है। नांदेड़ के बाढ़ प्रभावित मुखेड़ इलाके में दो लोग लापता हैं। तटीय कोंकण में एक व्यक्ति का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तरी कोंकण जिलों-मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, पालघर, ठाणे और रायगढ़ -के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग के

- मौसम विभाग ने तटवर्ती क्षेत्रों में मछुआरों के लिए अलर्ट जारी किया है। बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में स्कूल कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

राज्य में लगभग दस लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को नुकसान हुआ है, जिसमें अकेले विदर्भ में दो लाख हेक्टेयर शामिल हैं। मराठवाड़ा क्षेत्र में छत्रपति संभाजीनगर संभाग के 800 गांव प्रभावित हुए हैं। जबकि उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव में असाधारण वर्षा हुई है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने यात्रियों को उड़ान की स्थिति की पुष्टि करने और अतिरिक्त यात्रा समय निर्धारित करने की सलाह दी है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मछुआरों को कोंकण-गोआ के तटीय इलाकों में जाने से सावधान किया है। सभी आंगनवाड़ी, स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। बृहन् मुम्बई नगरपालिका निगम ने निजी कंपनियों के कर्मचारियों से वर्क फ्रॉम होम काम करने की अपील जारी की है। मुंबई में मंगलवार को लगातार चौथे दिन भारी बारिश के कारण शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं, जिससे हजारों यात्री घंटों तक रेलवे स्टेशनों पर फंसे रहे। अधिकारियों ने भारी बारिश के कारण सड़कों पर फंसे यात्रियों की भी सहायता की।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने बताया कि राज्य के बड़े हिस्से में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप काफी लोग हताहत हुये हैं,बाढ़ में मवेशी बह गये हैं और घरों तथा दुकानों को नुकसान पहुँचा है।

टीम इंडिया में शुभमन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे का नाम शामिल हैं। गेंदबाजी के विशेषज्ञ विकल्प के रूप में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा हैं।

संजू सैमसन और अभिषेक के बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखलाओं में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद गिल की जगह संदिग्ध थी। लेकिन गिल को आईपीएल टीम गुजरात टाइटन्स के कप्तान हैं, ने आईपीएल 2025 में 155.87 के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए और अपनी टीम को प्लेऑफ तक भी पहुंचाया।

पिछले साल टी20 विश्व कप में भारत के प्लेयर ऑफ द सीरीज़ रहे जसप्रीत बुमराह को मोहम्मद शमी की जगह टीम में शामिल किया गया है। बुमराह की वापसी से टीम की तेज गेंदबाजी इकाई मजबूत हुई है जिसमें अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और हार्दिक पंड्या भी शामिल हैं। स्पिन विभाग में कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल शामिल हैं, जबकि अभिषेक अंशकालिक विकल्प के रूप में मौजूद हैं।

वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी - जो इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के साथ हुई सीरीज का हिस्सा थे - इस बार टीम से बाहर हैं।

आठ बार की एशिया कप विजेता टीम भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में यूएई के खिलाफ करेगी।

टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह।

स्टैंडबाय: प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, रियान पराग और यशस्वी जायसवाल।

भारतीय वायु सेना 97 स्वदेशी लड़ाकू विमान की खेप खरीदेगी

नई दिल्ली, 19 अगस्त। केंद्र सरकार नेप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देते हुए मंगलवार को भारतीय वायु सेना के लिए 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद की परियोजना को मंजूरी दे दी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि आज एक उच्च-स्तरीय बैठक में 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू विमानों की खरीद को अंतिम मंजूरी दे दी गई और इससे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के लिए इन विमानों के उत्पादन का रास्ता साफ हो जाएगा।

करीब 62,000 करोड़ रुपये की इस मेगा डील के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) इन विमानों का निर्माण करेगी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि यह आदेश एलसीए मार्क-1ए विमानों की दूसरी बड़ी खेप है। इससे पहले सरकार ने करीब

- केन्द्र सरकार ने 62000 करोड़ रुपये की खरीद परियोजना को स्वीकृति दी।

48,000 करोड़ रुपये में 83 विमानों की खरीद का आदेश दिया था। नए सौदे से वायुसेना की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और लंबे समय से सेवा दे रहे मिग-21 विमानों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

सूत्रों ने यह भी कहा कि आने वाले कुछ हफ्तों में मिग-21 को पूरी तरह से बेड़े से बाहर कर दिया जाएगा। एलसीए मार्क-1ए एक अत्याधुनिक लड़ाकू विमान है, जिसमें पहले से बेहतर एवियोनिक्स, आधुनिक राडार तकनीक और उच्च स्तर की मारक क्षमता है। इनमें 65 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे न केवल रक्षा क्षेत्र में तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

कोचिंग छात्रा से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लड़का उसका पीछा करते हुए जयपुर आया, जब वह नारायण सिंह सर्किल पर उतरी तो युवक बाइक लेकर आया। छात्रा का आरोप है कि युवक बाइक पर जबरन बैठाकर छोड़ने की जिद करने लगा। पड़ोसी होने के कारण वह बाइक पर बैठ गई। धोखे से आरोपित ने रास्ते में उसे नशीला पदार्थ पिला दिया और इसके बाद बेहोशी की हालत में एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

ट्रम्प-जैलेंस्की मीटिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समझौता, जैसे ज़मीन के अदला-बदली के सौदे, लड़ने वाले दोनों देशों को मिलकर ही तय करना होगा।

अंत में और सबसे अहम, डॉनल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि शांति समझौते को यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के साथ समर्थन मिलेगा, जिसमें अमेरिका सक्रिय भूमिका निभाएगा। अमेरिकी पक्ष का यह भी कहना था कि रूस ने इस सुरक्षा गारंटी शर्त को स्वीकार करने के संकेत दिए हैं। इसमें "कोअलिशन ऑफ द विलिंग" देशों के सैनिक और अमेरिका शामिल होंगे। यह काफ़ी हद तक उस चर्चित अनुच्छेद 5 की तरह होगा जिसमें कहा गया है कि किसी एक पार्टनर पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा। इसका मतलब था कि यूक्रेन को लगभग वैसी ही सुरक्षा मिल गई जैसी नाटो सदस्यता में मिलती। जबकि, पुतिन ने शर्त रखी है कि कोई भी शांति वार्ता तभी होगी जब यूक्रेन की नाटो सदस्यता की संभावना ख़ारिज कर दी जाए। तथापि, इसके बाद से अलग-अलग मत सामने आ रहे हैं, जो सोमवार को वाइट हाउस में ट्रंप की बैठक के बाद बताए गए समाधान के ढ ँचे पर संदेह जताते हैं।

खबरें हैं कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन त्रिपक्षीय बैठक के लिए तैयार नहीं हैं, जिसमें ज़ेलेन्स्की और ट्रंप शामिल हों। पुतिन ज़ेलेन्स्की को यूक्रेन का वैध राष्ट्रपति मानते ही नहीं और लगातार नए राष्ट्रपति चुनाव की मांग कर रहे हैं। रूसी पक्ष ज़ेलेन्स्की को "कीव शासन" कहकर संबोधित करता है। इसके अलावा अब लगता है कि रूस ने यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर स्पष्ट सहमति नहीं दी है। इसमें कोई शक नहीं कि रूस ऐसा प्रावधान स्वीकार नहीं करेगा जो यूक्रेन को नाटो सदस्यता जैसी सुरक्षा दे, बिना उसे नाटो क्लब का सदस्य बनाए।

एक तरह से, मुलाक़ातों के बाद उभरे उत्साह के बावजूद सामने आई बातें इस प्रक्रिया पर भरोसा जगाने लायक नहीं लगतीं। इसके साथ ही ट्रंप का ऐतिहासिक नोबेल पुरस्कार पाने का सपना भी उतना ही दूर दिखता है जितना पहले था।

जयशंकर तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री मॉस्को में भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक को भी संबोधित करेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय एजेंडे की समीक्षा करेंगे तथा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनकी यात्रा का उद्देश्य भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है।

चीन के विदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एससीओ शिखर सम्मेलन के प्रति भारत का सहयोग और समर्थन व्यक्त किया और कहा कि वह तियानजिन में इस सम्मेलन के दौरान में शी से मिलने को उत्सुक हैं। बयान के मुताबिक चीनी विदेश मंत्री ने बातचीत में विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर के साथ कल हुई द्विपक्षीय वार्ता और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ आज सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की बैठक के बारे में अपना आकलन भी प्रधानमंत्री के साथ साझा किया।

क्या उपराष्ट्रपति का चुनाव राजनैतिक समीकरणों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें कई नामों पर चर्चा हुई, जिनमें डीएमके के राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा का नाम भी शामिल था।

जुलाई 1946 में जन्मे न्यायमूर्ति रेड्डी को 2 मई 1995 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके बाद 5 दिसंबर 2005 को उन्हें गुवाहाटी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। वह 12 जनवरी 2007 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बने और 8 जुलाई 2011 को सेवानिवृत्त हुए। उन्हें 27 दिसंबर 1971 को आंध्र प्रदेश बार काउंसिल में वकील के रूप में नामांकित किया गया था। उन्होंने 1988 से 1990 तक हाईकोर्ट में सरकारी वकील और 1990 में छह महीने के लिए केंद्र सरकार के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में काम किया। वह उस्मानिया विश्वविद्यालय के लिए कानूनी सलाहकार और स्थायी वकील भी रहे हैं।

मार्च 2013 में रेड्डी गोवा के पहले लोकायुक्त बने, लेकिन सात महीने के भीतर उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। वह हैदराबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता और सुलह केंद्र के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज में भी शामिल हैं।

इंडिया गठबंधन द्वारा न्यायमूर्ति रेड्डी को उम्मीदवार घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद ही भाजपा की सहयोगी पार्टी टीडीपी ने कहा कि उनके रुख में कोई अस्पष्टता नहीं है।

विपक्ष को उम्मीद थी कि आंध्र प्रदेश में जन्मे उम्मीदवार को उतार कर वे एन. चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई वाली टीडीपी को असमंजस में डालेंगे, क्योंकि भाषा का मुद्दा दक्षिण भारत में भावनात्मक महत्व रखता है। हालांकि, यह रणनीति कितनी सफल होगी, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा, लेकिन फिलहाल टीडीपी ने एनडीए की एकता का संदेश दे दिया है।

टीडीपी महासचिव और आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने दस पर पोस्ट किया, "कोई भ्रम नहीं-सिर्फ सम्मान, अपनापन और संकल्प है। एनडीए पूरी तरह एकजुट है।" उन्होंने हाल ही में एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात कर उन्हें बधाई भी दी थी।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू पर काफी दबाव आने वाला है और चूंकि उपराष्ट्रपति चुनाव में पार्टी व्हिप जारी नहीं होता, इसलिए टीडीपी के कई सांसद जनदबाव में आ सकते हैं। इसलिए अभी अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना जल्दबाज़ी होगी।

न्यायमूर्ति रेड्डी की उपलब्धियों के अलावा, यह भी माना जा रहा है कि वे उन सांसदों के लिए अधिक आकर्षक हो सकते हैं जिनमें विवेक और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता है।

'गहलोत कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भेजा गया है। एआईसीसी में जगह पाने की गहलोत बेचैनी साफ़ दिख रही है। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बन सकते थे, अगर मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए उनके लालच ने उन्हें तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ विद्रोह करने पर मजबूर न किया होता। इसके साथ ही, सचिन पायलट के प्रति उनकी गहरी नफरत भी इसमें जुड़ी हुई थी, क्योंकि उन्होंने हर संभव कोशिश की कि पायलट मुख्यमंत्री न बनें।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908